रांची, गुरुवार, 28 मई 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 253 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ भीषण गर्मी के दौर में कितना सुरक्षित है बोतलबंद पानी?

सान्या मल्होत्रा के बिकनी फोटो शूट ने मचाई हलचल, हॉट लुक देखकर फैंस हुए फिदा ◀◀ 6

पीएलएफआई सुप्रीमो अमृत होरो गिरफ्तार, 10 लाख का था इनामी

शादी में कर रहा था मौज ,पुलिस ने पार्टी से ही उठाया

संवाददाता

रांचीः प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के सुप्रीमो और कानून-व्यवस्था के लिए लंबे समय से चुनौती बने अमृत होरो को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

अमृत होरो पर झारखंड सरकार ने 10 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। उसकी गिरफ्तारी को पीएलएफआई संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। पुलिस ने अमृत होरो की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है।

शादी समारोह में पहुंचने पर हुई गिरफ्तारीः पुलिस सूत्रों के अनुसार, रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि अमृत होरो रांची-खूंटी सीमावर्ती इलाके के जमाकेल गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचने वाला है। वह इसी गांव का रहने वाला है।

सूचना के आधार पर क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) और अन्य पुलिस बलों की विशेष टीम गठित की गई। इसके बाद इलाके की घेराबंदी कर देर रात योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए अमृत होरो को गिरफ्तार कर लिया गया।

अमृत होरो से गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछः बताया जा रहा है कि अमृत होरो लंबे समय से पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था और रांची तथा खूंटी के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय था। पुलिस ने उसे गुप्त स्थान पर रखकर पूछताछ शुरू कर दी है। उसके नेटवर्क, सहयोगियों और संगठन की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। खूंटी पुलिस भी उससे पूछताछ करेगी।

लेवी वसूली, आगजनी, फायरिंग और पुलिस मुठभेड़ समेत मामले दर्जः अमृत होरो के खिलाफ रांची, खूंटी और आसपास के जिलों में रंगदारी, निर्माण स्थलों और रेलवे परियोजनाओं में लेवी वसूली, आगजनी, फायरिंग और पुलिस मुठभेड़ समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

डेढ़ वर्ष पहले मुठभेड़ में बच निकलाः पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह पिछले कई वर्षों से उग्रवादी गतिविधियों में सक्रिय था और संगठन का शीर्ष कमांडर माना जाता था। करीब डेढ़ वर्ष पहले भी सुरक्षाबलों की अमृत होरो के साथ मुठभेड़ हुई थी, लेकिन वह जंगल और पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर भाग निकलने में सफल रहा था।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उसकी गिरफ्तारी से पीएलएफआई के नेटवर्क और आर्थिक गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ेगा। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर संगठन के अन्य सक्रिय सदस्यों और हथियारों के ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है।

चलती कार बनी आग का गोला, कांग्रेसी नेता सहित परिवार के 4 लोगों की जिंदा जलकर मौत

अजमेर : राजस्थान के अजमेर में चलती कार में आग लगने से कांग्रेसी नेता सहित परिवार के 4 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। घटना अजमेर से करीब 60 किलोमीटर दूर बोराड़ा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 5130 बजे की है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ी को मौके पर बुलाया गया। लेकिन, तब तक 4 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई और कार पूरी तरह जल गई।

जानकारी के मुताबिक चलती स्कॉर्पियो कार में अचानक आग लगने से पूर्व सरपंच व जिला परिषद सदस्य रामसिंह चौधरी सहित परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे में उनकी मां पूर्व सरपंच पूसी देवी, पत्नी और भांजी महिमा भी जिंदा जल गईं। बताया जा रहा है कि आग लगते ही कार पूरी तरह आग के गोले में बदल गई। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार सुबह पूसी देवी के सीने में अचानक दर्द होने लगा। ऐसे में रामसिंह चौधरी उन्हें लेकर अस्पताल जा रहे थे। इस दौरान रामसिंह की पत्नी और भांज भी कार में सवार थी। लेकिन, अस्पताल पहुंचने से पहले ही कार में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कार सवार लोगों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। पुलिस ने आसपास से मंगाए गए टैंकरों से कार में लगी आग पर काबू पाया। अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डिप्टी आयुष वशिष्ठ, बोराड़ा थाना अधिकारी सूर्यभान सिंह और अराई थाना अधिकारी रोशन सामरिया मौके पर पहुंचे। प्राप्त जानकारी के अनुसार एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। पुलिस शॉर्ट सर्किट सहित हर पहलू को ध्यान में रखकर हादसे की जांच कर रही है। अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि अभी घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

पटना में बड़ा हादसा, गंगा नदी में पलटी 14 लोगों से भरी नाव, अब तक 3 शव मिले, 4 की तलाश जारी

पटनाः जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। जिले के बाढ़ सब-डिवीजन में स्थित प्रसिद्ध उमानाथ गंगा घाट के पास गंगा नदी में एक नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया है। नाव पर करीब 14 से 15 लोग सवार थे, जिनमें से कई लोगों के डूबने की आशंका है। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और राहत बचाव दल तुरंत मौके पर पहुँच गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा अचानक मौसम बदलने और तेज हवाएं चलने के कारण हुआ। बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रामकृष्ण ने घटना की पुष्टि करते हुए बतायाः नाव में कुल 14 लोग सवार थे। तेज हवाओं के थपेड़ों के कारण छोटी नाव अपना संतुलन खो बैठी और नदी के बीच में पलट गई। घटना के तुरंत बाद आस-पास मौजूद अन्य नावों की मदद से 7 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अब तक 3 शव बरामद, सर्च ऑपरेशन जारीः प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में अब तक दो लोगों के शव नदी से बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, 4 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एक चश्मदीद ने मौके की स्थिति बयां करते हुए कहा, नाव पर 14-15 लोग सवार थे। अचानक नाव पलटने से चीख-पुकार मच गई। करीब सात लोग तो दूसरी नावों की मदद से बचा लिए गए, लेकिन बाकी लोग गहरे पानी में समा गए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज देंगे इस्तीफा, शिवकुमार होंगे नए सीएम

मीटिंग में डीके शिवकुमार ने सीएम के पैर छुए, गले लगे

नई दिल्लीः कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज इस्तीफा देंगे। उन्होंने बेंगलुरु में अपने घर पर मंत्रियों के साथ ब्रेकफास्ट मीटिंग बुलाई थी। जिसमें उन्होंने सभी मंत्रियों को अपने फैसले के बारे में जानकारी दी।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार भी मीटिंग में पहुंचे। शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, इसके बाद सीएम ने उन्हें गले लगा लिया। कर्नाटक सरकार में मंत्री एचके पाटिल ने बताया कि मीटिंग में डीके शिवकुमार के नाम पर मुहर लगी। वह अगले सीएम होंगे।

सिद्धारमैया ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के लिए समय मांगा था। हालांकि, राज्यपाल पारिवारिक कारणों के चलते बेंगलुरु से बाहर हैं। ऐसे में सिद्धारमैया राज्यपाल दफ्तर को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

नियमानुसार राज्यपाल राज्य में मौजूद न हों तब भी मुख्यमंत्री लिखित इस्तीफा राजभवन के अधिकारियों को ई-मेल से या खुद जाकर दे सकते हैं। राज्यपाल बाद में उसे स्वीकार करते हैं। इस्तीफा मंजूर होने तक मौजूदा सीएम ही पद पर रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को आदेश

वोटर लिस्ट से हटाए संदिग्ध नागरिकों की सूची गृह मंत्रालय को भेजें

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को सही ठहराते हुए अहम फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया कि संदिग्ध नागरिकता के आधार पर वोटर लिस्ट से हटाए गए लोगों की सूची चार सप्ताह के भीतर गृह मंत्रालय को भेजी जाए, ताकि नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत उनकी नागरिकता पर फैसला लिया जा सके।

चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, संबंधित सक्षम प्राधिकारी कानून के अनुसार निर्णय लेगा। यह प्रक्रिया अगली लोकसभा, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले पूरी होना बेहतर होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें नोटिस देकर अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा।

भारतीय नागरिक पाए जाने पर नाम फिर जुड़ेंगेः सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच में यदि कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक पाया जाता है, तो उसका नाम दोबारा वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा। अदालत ने बिहार में रक्क्र प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया 23 साल बाद की जा रही है और इसका उद्देश्य वोटर लिस्ट में मौजूद गंभीर विसंगतियों को दूर करना है। बेंच ने माना कि इतनी व्यापक प्रक्रिया में पर्याप्त सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं, इसलिए इसे मनमाना नहीं कहा जा सकता।

दस्तावेजों की मांग को बताया तार्किकः वोटर सत्यापन के दौरान मांगे जा रहे दस्तावेजों पर उठे सवालों को भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि दस्तावेजों का वर्गीकरण स्पष्ट और तार्किक आधार पर किया गया है, जिसका मकसद वोटर लिस्ट की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखना है। हालांकि, अदालत ने चुनाव आयोग को सावधानी बरतने की सलाह भी दी। कोर्ट ने कहा कि पहले से वोटर लिस्ट में दर्ज नामों के साथ हल्के तरीके से छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए और किसी भी संशोधन की प्रक्रिया कानून के तहत तय नियमों के अनुसार ही पूरी होनी चाहिए।

लोकतंत्र सिर्फ मतदान नहीं, मतदाता की पहचान भीः सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा, वैधता की धारणा बेहद महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वोटर लिस्ट में दर्ज नामों को बिना ठोस आधार और उचित प्रक्रिया के न हटाया जाए। उन्होंने राजनीतिक वैज्ञानिक बर्नार्ड मैनिन का हवाला देते हुए कहा, किसी भी प्रतिनिधि सरकार के लिए वोटों की गिनती से पहले यह तय करना जरूरी है कि वोट देने का अधिकार किन लोगों को है। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि उन लोगों की पहचान की प्रक्रिया भी है जिन्हें सरकार चुनने में भाग लेने का अधिकार प्राप्त है। अदालत ने आगे कहा कि वोटर लिस्ट किसी भी राजनीतिक समुदाय का कानूनी रिकॉर्ड होती है, इसलिए इससे जुड़े विवाद केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रतिनिधि सरकार की बुनियाद से जुड़े होते हैं।

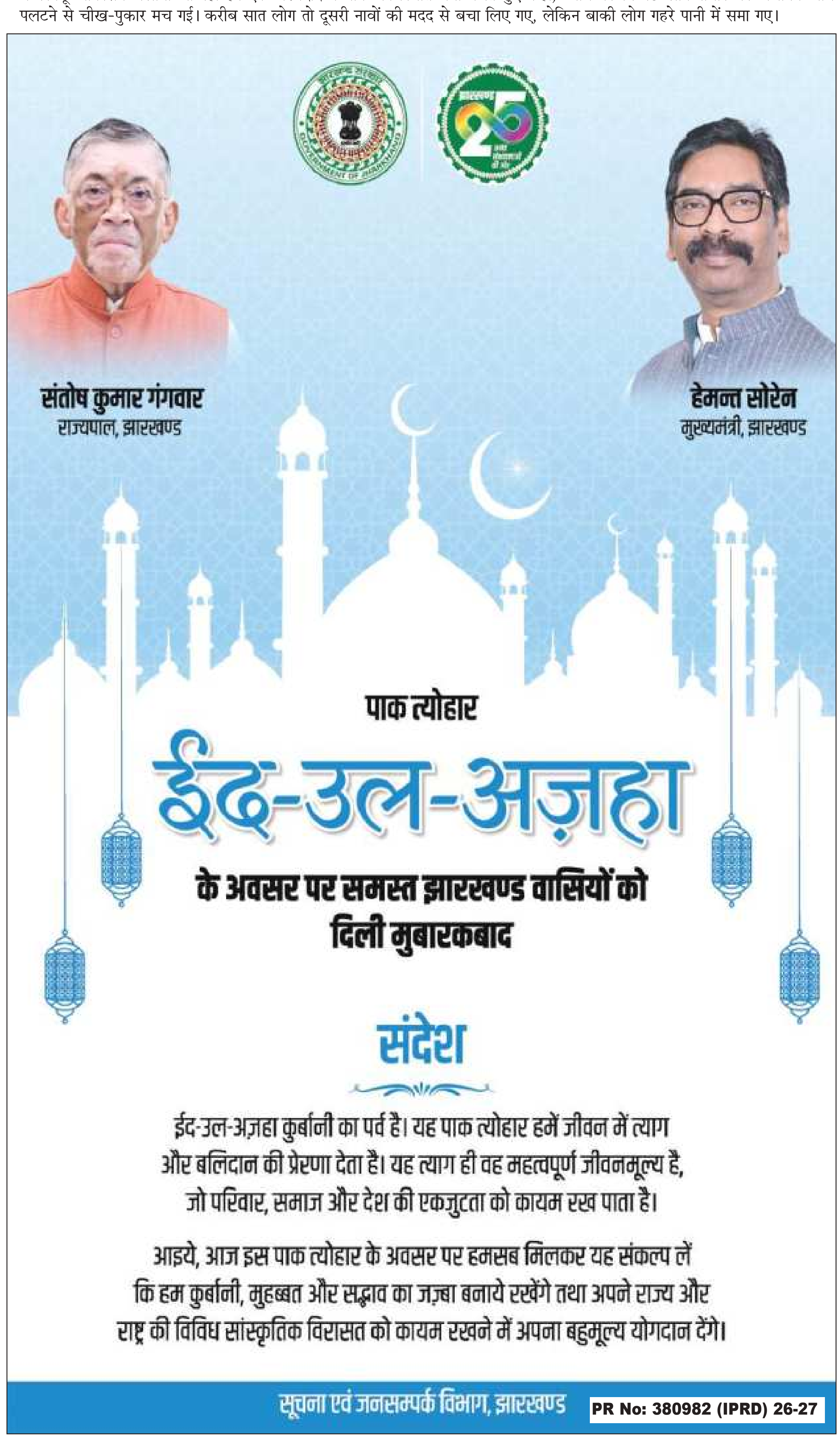

न्यूज IN ब्रीफ

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

खूंटीः सायको थाना क्षेत्र के सायको गाँव में आयोजित छऊ नृत्य मेला की रंगीन रात उस समय खौफनाक मंजर में बदल गई, जब दो युवाओं की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मेले की भीड़, ढोल-नगाड़ों और सांस्कृतिक उत्साह के बीच हुई इस दोहरे हत्याकांड ने ग्रामीणों को दहला कर रख दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान ऋषभ गर्ग ने बताया कि इस सनसनीखेज वारदात की जड़ में शक, अविश्वास और आपसी रंजिश थी। मुख्य आरोपी 21 वर्षीय सुम्बर सिंह मानकी झारखंड से बाहर काम करता था। उसने 17 वर्षीय विशु पाहन को अपनी पत्नी पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी थी। कुछ समय बाद उसे जानकारी मिली कि उसकी पत्नी का किसी अन्य युवक से संपर्क है। इसके बाद उसे शक होने लगा कि विशु पाहन भी उसकी पत्नी के साथ मिला हुआ है। इसी शक ने धीरे-धीरे गुस्से का रूप लिया और फिर एक खूनी साजिश तैयार की गई।

17-18 मई की रात विशु पाहन अपनी 17 वर्षीय महिला मित्र सूमी मुंडू के साथ सायको गाँव में आयोजित छऊ नृत्य मेला देखने पहुँचा था। मेले में भारी भीड़ और उत्सव का माहौल था। इसी दौरान मुख्य आरोपी अपने दो साथियों के साथ पहले से योजना बनाकर मौके पर पहुँचा।

बताया जाता है कि मेला स्थल से करीब 300 मीटर दूर सुनसान जगह पर आरोपियों ने विशु पाहन को रोक लिया और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में विशु गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। जब सूमी मुंडू ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसकी भी बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी दोनों शवों को मारंगबुरु पहाड़ क्षेत्र में ले गए और वहाँ छिपा दिया, ताकि घटना का कोई सुराग न मिल सके।

घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। दो नाबालिग युवाओं की हत्या से ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय का माहौल बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई।

जांच टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, गुप्तचरों की सूचना और लगातार छापेमारी के आधार पर मामले की तह तक पहुँचने में सफलता हासिल की। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त टांगी, खून सनी मिट्टी, चप्पल और खून लगे कपड़े बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सीसीएल की चूरी-बेंती कोयला परियोजना की जनसुनवाई का विरोध

खलारीः ग्राम पंचायत बेंती की मुखिया सरिता देवी ने जनसुनवाई प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता और नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र सीसीएल चतरा जिले के टंडवा अंचल स्थित की प्रस्तावित चूरी-बेंती भूमिगत कोयला परियोजना को लेकर आयोजित जनसुनवाई 22 मई को हुई थी मुखिया का आरोप है कि जनसुनवाई की सूचना प्रभावित ग्रामीणों, रैयतों और जनप्रतिनिधियों को समय पर नहीं दी गई। अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी बाद में समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। उनका दावा है कि पूरी प्रक्रिया पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं हुई। है करीब 176.27 हेक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित यह परियोजना मौजा बेंती, थाना पिपरवार, अंचल टंडवा और जिला चतरा क्षेत्र में स्थित है। परियोजना का प्रस्ताव संख्या एफपी/झारखंड/खनिज/23021/2016 बताया गया है। परियोजना की पर्यावरण मंजूरी के लिए आयोजित जनसुनवाई पर अब पारदर्शिता और वैधानिकता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शिकायत पत्र में कहा गया है कि अधिसूचना के पैरा 7(1) उपखंड-3 एवं परिशिष्ट-4 के अनुसार जनसुनवाई से पूर्व प्रभावित लोगों को लिखित सूचना देना अनिवार्य है, लेकिन इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि कुछ बाहरी लोगों से हस्ताक्षर कराकर औपचारिकता पूरी की गई, जबकि मूल प्रभावित परिवार प्रक्रिया से दूर रहे। मुखिया सरिता देवी ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा जिला प्रशासन को भेजी शिकायत में जनसुनवाई रद्द करने, मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। भीषण गर्मी में राहतः एसपी ने किया

झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन एवं सीसीएल प्रबंधन की उच्च स्तरीय बैठक आज

रांची : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन एवं सीसीएल प्रबंधन की उच्च स्तरीय कंपनी स्तर की बैठक सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस गंगोत्री भवन द्वितीय तल्ला में आहूत की गई है। बैठक में संपूर्ण सीसीएल के सभी एरिया के संगठित असंगठित मजदूरो एवं विस्थापितों की ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता के साथ यूनियन उठाएगी। कंपनी स्तर के बैठक में कंपनी के वरिय पदाधिकारी यूनियन प्रतिनिधि एरिया के यूनियन प्रतिनिधि व पदाधिकारी मुख्य रूप से शामिल होंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के उपाध्यक्ष ईकबाल हुसैन ने बताया कि इस महत्वपूर्ण एजेंडा बैठक में 9.4.0 के तहत नौकरी एससी/एसटी/ओबीसी के आरक्षण प्रमोशन रोस्टर लागू करने, चार श्रम कोर्ड पर रोक लगाने, सीसीएल के प्रस्तावित अशोक वेस्ट हजारीबाग के कोतरे बसंतपुर परियोजना केडी आरएनआरडी परियोजना दामोदर नदी परियोजना को शीघ्र चालू करने ,सभी अस्पताल में चिकित्सा सुविधा दुरुस्त करने ,डॉक्टर एवं एंबुलेंस की व्यवस्था करने, रेफर प्रक्रिया को सरल बनाने, दुर्घटना, आवास आवंटन एवं मरम्मत, यूनियन को आईआर सिस्टम में लेने, विस्थापितों की लंबित नौकरी मुआवजा पुनर्वास रोजगार 25 डिसमिल भूखंड पहचान पत्र पुनर्वास समिति का गठन करने, गैर मजरुवा खास सरकारी बंदोबस्ती वन पट्टा के बदले नौकरी, भूमि का सत्यापन परियोजना स्तर पर कैंप लगाकर करने, सीएसआर का 95% राशि गांव में खर्च करने, वैकल्पिक रोजगार के तहत रोड शेल में 40% कोयला आवंटन करने, ठेका प्रथा एएमसी सीएससी कार्यों में प्राथमिकता देने,विस्थापितों को निशुल्क शिक्षा चिकित्सा स्कूल बस एवं निजी कंपनियों में 75 परसेंट बेरोजगारों को की बहाली, आम्रपाली चंद्रगुप्त मगध संघमित्रा क्षेत्र के कामगारों व कर्मचारियों का आवास निर्माण व आवंटन शीघ्र करने एचपीसी लागू करने सहित संगठित असंगठित एवं रैयत विस्थापितों की मांगों को जोर शोर से उठाते हुए विचार विमर्श कर यूनियन समाधान का रास्ता निकालेगी।

बैठक को लेकर यूनियन प्रतिनिधि उत्साहित है तैयारी मे जुट गए है। उन्होंने बताया कि बैठक से मजदूर हित मे बेहतर परिणाम एवं कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगें।

बकरीद पर मस्जिदों में अकीदत के साथ अदा की गई नमाज, अमन-चैन की मांगी गई दुआ

संवाददाता

खूंटी : बकरीद (ईद-उल-अजहा) का पर्व जिलेभर में शनिवार को धार्मिक आस्था, उत्साह और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही जिले की विभिन्न मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम धर्मावलंबियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने नए परिधान पहनकर मस्जिदों का रुख किया और पूरे श्रद्धा भाव के साथ बकरीद की विशेष नमाज अदा की।

जिले की प्रमुख मस्जिदों – जोहरा मस्जिद, जामा मस्जिद समेत विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में मौलानाओं एवं इमामों की अगुवाई में नमाज अदा की गई। नमाज के दौरान लोगों ने देश और समाज में अमन-चैन, आपसी भाईचारा, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। साथ ही मानवता, त्याग और कुबार्नी के संदेश को अपनाने की अपील की गई।

नमाज समाप्त होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों और आसपास के इलाकों में ईद मुबारक की गूंज सुनाई देती रही। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में पर्व को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। कई परिवारों ने अपने घरों में विशेष पकवान तैयार किए और एक-दूसरे के यहां जाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

बकरीद पर्व को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। जिले के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कई जगहों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी लगातार निगरानी करते दिखाई दिए ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। प्रशासन द्वारा लोगों से शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील भी की गई थी।

पूरे जिले में बकरीद के अवसर पर सामाजिक सौहार्द, आपसी प्रेम और एकता का सुंदर संदेश देखने को मिला। विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं देकर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

चतरा में 'मंईयां सम्मान योजना' का डेटा लीक, साइबर ठगी का बढ़ा खतरा

चल रहे सत्यापन कार्य का फायदा उठा सकते हैं साइबर अपराधी

संवाददाता

चतराः झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी एक बेहद गंभीर और चिंताजनक खबर सामने आ रही है। चतरा नगर परिषद क्षेत्र की हजारों लाभुक महिलाओं का बेहद संवेदनशील और निजी डेटा लीक हो गया है. दरअसल, योजना के लाभुकों की सूची से जुड़ी एक पीडीएफ फाइल पिछले कुछ दिनों से कई स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों में धड़ल्ले से वायरल हो रही है। इस फाइल के वायरल होने से लाभार्थी महिलाओं की प्राइवेसी पूरी तरह दांव पर लग गई है।लीक हुए डेटा में सुरक्षा और गोपनीयता की धज्जियां उड़ गई हैं। इस वायरल पीडीएफ फाइल में योजना का लाभ ले रही महिलाओं की बेहद निजी और गोपनीय जानकारियां खुलकर सामने आ गई हैं। इस डेटा सूची में महिलाओं का नाम, उनके पिता या पति का नाम, आधार नंबर, बैंक खाता संख्या, बैंक का नाम और मोबाइल नंबर जैसे अति-संवेदनशील विवरण साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं। जानकारों का मानना है कि साइबर अपराधियों और ठगों के हाथ अगर यह डेटा लग जाए, तो वे महिलाओं को आसानी से अपनी ठगी का शिकार बना सकते हैं। गौरतलब है कि इन दिनों पूरे राज्य में मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों का भौतिक और विभागीय सत्यापन कार्य चल रहा है।इस प्रक्रिया का फायदा उठाकर साइबर अपराधी खुद को सरकारी अधिकारी, बैंक कर्मी या सत्यापन टीम का सदस्य बताकर इन महिलाओं को फोन कर सकते हैं। चूंकि अपराधियों के पास महिलाओं की पूरी कुंडली (जैसे खाता संख्या और आधार नंबर) पहले से होगी, इसलिए वे महिलाओं को आसानी से झांसे में ले सकते हैं। ठग उन्हें योजना बंद होने, अगली किस्त रुकने या खाते के री-वेरिफिकेशन का डर दिखाकर बैंक डिटेल्स, यूपीआई पिन या ओटीपी मांग सकते हैं।कई लाभार्थियों ने बताया भी है कि उनके पास अब अजीबोगरीब नंबरों से फोन आने भी शुरू हो गए हैं।

उपायुक्त से जांच और कार्रवाई की मांगः डेटा लीक की इस बड़ी लापरवाही से नाराज और डरे हुए लाभार्थियों ने चतरा के उपायुक्त रवि आनंद से मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। पीड़ितों ने मांग की है कि इस संवेदनशील डेटा लीक के लिए जिम्मेदार पदाधिकारी या कंप्यूटर ऑपरेटरों की पहचान कर उन पर तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और आगे के लिए डेटा को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए। इस पूरे मामले पर जब प्रभारी जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि फिलहाल उनके पास डेटा लीक होने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।हालांकि, मामला गंभीर है, इसलिए लाभुकों का यह डेटा कहां से और किस स्तर से लीक हुआ है, इसकी पूरी गहनता से जांच कराई जाएगी।जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे कतई बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

23 लाख की अफीम व अफीम डोडा बरामद

संवाददाता

चतराः चतरा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार मंगलवार को लावालौंग एवं कुंदा थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई में 23 लाख रु के मादक पदार्थ अफीम व डोडा की बड़ी खेप बरामद किया है। सिमरिया अनुमंडल पुलिस कार्यालय में आज आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी शुभम भाऊसाहब ने बताया कि एसपी अनिमेष नैथानी को सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव में कुछ लोग अपने घर में मादक पदार्थों का भंडारण किए हुए है। सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव के कई ठिकानो पर छापामारी की। छापामारी के क्रम में पुलिस को 1 किलो 570 ग्राम अवैध अफीम,69.87 किलोग्राम अजीम डोडा और 25 किलो 850 ग्राम पोस्ता दाना बरामद किया। साथ ही 30 हजार रु नगद और दो आधार कार्ड बरामद किया। उन्होंने बताया कि बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित मूल्य लगभग 18 लाख रु आंकी गई है। इस संबंध में लावालौंग थाना कांड संख्या 34/26 दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार कुंदा थाना क्षेत्र के मरगड़ा गांव में पुलिस ने छापामारी कर 1 किलो 50 ग्राम अफीम बरामद किया गया। इस मामले में एक तस्कर उमेश कुमार (19 वर्ष) पिता गोविन्द गंझु को गिरफ्तार किया गया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री भाऊसाहब ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि

एक तस्कर अपने घर में व्यापार करने के उद्देश्य से घर में अवैध अफीम रखे हुए है। सूचना का सत्यापन करते हुए कुंदा के अंचलाधिकारी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध अफीम वजन 1012 ग्राम को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद अफीम की अनुमानित मूल्य लगभग 5 लाख रु है। इस संदर्भ में कुन्दा थाना कांड सं0-34/2026, दिनांक-26.05.2026, धारा-15/18/27/29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है।

आदिवासी समुदाय को वनवासी कहे जाने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता

खूंटी : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासी समुदाय को वनवासी संबोधित किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी एवं आदिवासी कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में भगत सिंह चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा की उपस्थिति में किया गया, जबकि इसकी अध्यक्षता आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि विल्सन टोपनो ने की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, आदिवासी कांग्रेस के सदस्य और स्थानीय लोग शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए विल्सन तोपनो ने कहा कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक समागम समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आदिवासी समाज को वनवासी शब्द से संबोधित किया, जो पूरे आदिवासी समुदाय की पहचान और सम्मान पर चोट है। उन्होंने कहा कि आदिवासी शब्द केवल एक संबोधन नहीं, बल्कि इस देश के मूल निवासियों की संवैधानिक पहचान है। वनवासी शब्द का प्रयोग कर भाजपा सरकार आदिवासी समाज के इतिहास, संस्कृति और अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा करता आया है और उनकी पहचान को बदलने की किसी भी कोशिश को समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि यह विवाद केवल एक शब्द का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और सम्मान का प्रश्न है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर करने वाली नीतियां अपना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आदिवासी सम्मान में कांग्रेस मैदान में , आदिवासी विरोधी बयान वापस लो और जल-जंगल-जमीन हमारा अधिकार जैसे नारे लगाए। बाद में कार्यकताओं ने गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

इस मौके पर प्रदेश सचिव रामकृष्ण चौधरी, जिला उपाध्यक्ष रविकांत मिश्रा, जयसिंह नाग, वरिष्ठ कांग्रेसी देवजीत देवधरिया, जिला महासचिव गोपाल भगत, नगर पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौश, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र महतो, महासचिव ऋतुराज झा, आदिवासी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एलेक्सियूस परधिया, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमीर हुसैन, सांसद प्रतिनिधि कर्रा विक्रम नाग, जेम्स तोपनो, पीटर मुंडू, सान्धू पुर्ती, ऐलेक्सियूस भेंगरा, सुषमा भेंगरा, हेलेन तिडू, संदीप तिडू, अनमोल होरो, ईन्दुआन्ना हस्सा, अनीता नाग, सुमन देवी, हेरमन सोय, राम तिडू, धुमेश लोहरा, विनसाय मुण्डा, सुचित सांगा, विमल कच्छप, नन्दू कच्छप, जयसिंह मुण्डा, प्रनीत तोपनो, तलहा खां, महादेव मुण्डा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शांति और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

हरमू ईदगाह समेत विभिन्न मस्जिदों में अदा की गई बकरीद की नमाज, अमन और इंसानियत का दिया गया संदेश

रांची/ गुलाम शाहिद: राजधानी रांची में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व शांति, सौहार्द औरभाईचारे के वातावरण में सम्पन्न हुआ। शहर के हरमू ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों में हजारों अकीदतमंदों ने बकरीद की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश-दुनिया में अमन-चैन की दुआ मांगी। इस अवसर पर इमाम साहब ने अपने संबोधन में कहा कि इस्लाम में दो प्रमुख त्योहार होते हैं। ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा।ईद-उल-अजहा कुबार्नी का पर्व है, जो त्याग, समर्पण और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि कुबार्नी केवल जानवरों की नहीं होती, बल्कि इंसान को अपने अंदर की नफरत, दुश्मनी और शिकवे-गिले को भी खत्म करना चाहिए। उन्होंने लोगों से आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। इमाम साहब ने कहा कि बकरीद का त्योहार हमें मोहब्बत, इंसानियत और एक-दूसरे की मदद करने की सीख देता है। त्योहार के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विभिन्न संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। पूरे शहर में पर्व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने पर लोगों ने खुशी जताई।

डीएसपीएमयू और रांची विवि में नए सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू, अंतिम तिथि 31 जुलाई

संवाददाता

रांची : रांची स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि (डीएसपीएमयू) में पहली बार स्नातक (सत्र 2026-30) में नामांकन के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित कर दी गयी है। साथ ही कक्षाएं तीन अगस्त 2026 से आरंभ करने का निर्णय लिया है। सत्र नियमित करने के लिए राज्य सरकार ने भी सभी सरकारी विवि में नामांकन प्रक्रिया प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई तक हर हाल में पूरी कर लेने का निर्देश दिया है।

चांसलर पोर्टल से आवेदन प्रक्रिया शुरूः डीएसपीएमयू में यूजी रेगुलर और वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल गुरुवार को खोल दिया गया है। नामांकन लेने की अंतिम तिथि 13 जून 2026 निर्धारित है, जबकि पहली सूची 26 जून 2026 को जारी कर दी जाएगी।

कुछ कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया जारीः दूसरी तरफ रांची विवि के कई अंगीभूत कॉलेजों में कलस्टर सिस्टम विवाद के कारण नामांकन प्रक्रिया रुकी हुई है। जबकि, विश्वविद्यालय अंतर्गत अल्पसंख्यक कॉलेज संत जेवियर्स कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, निर्मला कॉलेज, मौलाना आजाद कॉलेज, योगदा सत्संग कॉलेज और अन्य सहित संबद्ध कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया चांसलर पोर्टल से शुरू कर दी गई है। विवि द्वारा जारी अधिसूचना में फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 13 जून 2026 निर्धारित है।

हाथियों के हमले में व्यक्ति गंभीर , अस्पताल में भर्ती

बोकारोः जिला अंतर्गत गोमिया प्रखंड के कुसुमडीह क्षेत्र में बीती रात हाथियों के हमले में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज रामगढ़ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में तीन हाथियों का झुंड घूम रहा था। वन विभाग की टीम ने लोगों को सतर्क करते हुए उस मार्ग से पैदल नहीं गुजरने की हिदायत दी थी। बावजूद इसके केरी (टीकाहारा) का व्यक्ति कार्तिक बेसरा रात के समय पैदल अपने घर की ओर निकल पड़ा।

बताया जाता है कि दामोदर नदी पर बने पुल को पार कर जैसे ही कार्तिक बेसरा कुसुमडीह स्थित मंदिर के पास पहुंचा, उसका सामना हाथियों के झुंड से हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक हाथी ने उसे पटक दिया और कमर के बाईं ओर कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, 40 वर्षीय कार्तिक बेसरा अपनी पत्नी के साथ गोला प्रखंड के शीशाटांड़ स्थित एक रिश्तेदार के यहां गया हुआ था। किसी बात को लेकर कहासुनी होने के बाद वह रात में ही पैदल अपने घर के लिए निकल पड़ा था। इधर, परिजनों द्वारा घटना की सूचना मिलने पर सूबे के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अस्पताल प्रबंधन को घायल के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के लोगों से हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए सतर्क रहने तथा वन विभाग के निदेर्शों का पालन करने की अपील की है।

ईद-उल-अजहा पर रक्तदान का पैगामः खून डोनेट करें, ज़िंदगी बांटें

नदीम खान ने लोगों से की थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद की अपील

रांचीः जब पूरी दुनिया ईद-उल-अजहा की खुशियों में मसरूफ है और कुबार्नी की तैयारियों में व्यस्त है, उसी समय कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जो थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और जिनकी ज़िंदगी नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन पर निर्भर करती है। उनके लिए खून की हर बूंद सिर्फ सदका नहीं, बल्कि नई ज़िंदगी है। लहू बोलेगा टीम के संस्थापक नदीम खान ने ईद और हज के इन बा-बरकत दिनों में लोगों से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि यह नेक अमल न सिर्फ किसी की जान बचाने का जरिया बन सकता है, बल्कि अल्लाह की रहमत, दया और बड़े सवाब का माध्यम भी है।

उन्होंने कहा, हज और ईद-उल-अजहा इंसानियत, कुबार्नी और रहम का पैगाम देते हैं। अगर हम अपने खून की कुछ बूंदें उन बच्चों के लिए दें जो हर महीने खून के इंतजार में रहते हैं, तो यह सबसे बड़ी इंसानी खिदमत होगी।

नदीम खान ने आगे कहा कि रक्तदान एक ऐसी खैरात है जो सीधे किसी की सांसों को जारी रखने का कारण बनती है। उन्होंने समाज के युवाओं और सभी सक्षम लोगों से आगे आकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए नियमित रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने संदेश देते हुए कहा,ह्लखून डोनेट करें, ज़िंदगी बांटें किसी की सांसों की वजह बनें। लहू बोलेगा टीम ने ईद के मौके पर विशेष रक्तदान जागरूकता अभियान चलाने की भी घोषणा की है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस नेक काम में हिस्सा लेकर जरूरतमंद बच्चों की मदद कर सकें।

लातेहार : नवादा गांव में सड़क जाम, डीवीसी के कोयले की ढुलाई का विरोध कर रहे ग्रामीण

संवाददाता

लातेहारः प्रखंड के तुबेद गांव में डीवीसी द्वारा संचालित तुबेद कोल माइंस से निकलने वाले कोयले लदे हाइवा के परिचालन को लेकर नवादा गांव के ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने सुबह करीब 7 बजे से सड़क पर बैठकर हाइवा परिचालन पूरी तरह ठप कर दिया है। ग्रामीणों के आंदोलन के कारण माइंस से निकलने वाले करीब 200 से अधिक हाइवा की लंबी कतार लग गई।

दोनों ओर सड़क जाम होने से आवागमन भी प्रभावित हो गया, जबकि कंपनी की माइंस से कोयला परिवहन का कार्य भी बंद हो गया। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि डीवीसी प्रबंधन के साथ कई दौर की वार्ता में यह सहमति बनी थी कि नवादा रोड से कोयला ढुलाई नहीं की जाएगी। इसके बावजूद कंपनी मनमाने तरीके से इसी मार्ग से हाइवा परिचालन कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के लगातार परिचालन से सड़क जर्जर हो रही है और कोयला लदे वाहनों से उड़ने वाले धूलकणों के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण चंदन कुमार जायसवाल ने कहा कि डीवीसी प्रबंधन से कई बार बातचीत की गई, लेकिन ग्रामीणों के हित में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जब तक इस मार्ग से हाइवा परिचालन बंद नहीं किया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं जयप्रकाश भगत ने कहा कि जरूरत पड़ने पर हम लोग जेल जाने को भी तैयार हैं, लेकिन अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे। फिलहाल ग्रामीणों के आंदोलन के कारण इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और कोयला परिवहन पूरी तरह बाधित है।

कार्यालय, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त, विशेष अंचल, राँची

Email:specialcircleranchi@yahoo.com

प्रेस विज्ञप्ति

वाणिज्य–कर विभाग के विशेष अंचल, राँची क्षेत्राधिकार के करदाताओं को एतद् द्वारा, सूचित किया जाता है कि झारखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम 2017, झारखण्ड पेशा कर अधिनियम 2011 तथा झारखण्ड मूल्य वर्द्धित कर अधिनियम 2005/नियमावली 2006 के अन्तर्गत निबंधन हेतु, निबंधन कैम्प का आयोजन निम्नवत् किया गया है :–

क्र.स.	कैम्प आयोजन स्थल	तिथि एवं समय
1.	आर. एम. डी. ए. भवन, रातू रोड, राँची। (Ranchi Motor Dealer Association)	दिनांक–30.05.2026 समय पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 4:30 बजे तक।

उपरोक्त अनुसार सभी अर्हताधारी करदाताओ से अनुरोध है कि निम्नलिखित दस्तावेज के साथ कैम्प स्थल पर उपस्थित हों, ताकि निबंधन आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जा सके :–

आवश्यक दस्तावेज :–

1. PAN Card.
2. Aadhar Card.
3. Email ID.
4. Mobilie No.
5. Address Proof (Lease Agreement/Rent Agreement/ Consent Letter/Electricity Bill etc.)
6. Photograph (Proprietor Partners/Directors / Karta in case of HUF)
7. Bank A/C details.

राज्य–कर संयुक्त आयुक्त,
विशेष अंचल, राँची।

PR.NO.380916 Commercial Taxes(26-27):D

मुख्यमंत्री ने की ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह रहीं मौजूद

ग्रामीण आवासों में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीण विकास विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाकर विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास की यात्रा में पंचायतें पहली कड़ी हैं, यह जरूरी है कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाएं।

ग्रामीण आवास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाएं। राज्य के भीतर वैसे पात्र लाभुक जो आवासविहीन हैं या मिट्टी के जीर्ण-शीर्ण घरों में रहते हैं उन्हें चिन्हित कर ग्रामीण आवास योजना का लाभ पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध तरीके से ग्रामीण आवास योजनाओं को पूर्ण करें। बैठक में मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग दीपिका पांडेय सिंह भी उपस्थित थे।

सखी मंडलों की संख्या बढ़ाएंः मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) राज्य के भीतर महिला स्वयं सहायता समूहों की संख्या में वृद्धि करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सेल्फ-हेल्फ ग्रुप से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है, विभाग इन महिलाओं को हर संभव मदद करते हुए योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया गया ।

समूह से जुड़ी महिलाओं दिखाएं रास्ताः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि एसएचजी से जुड़ी माताओं बहनों को आगे बढ़ने के लिए कुछ व्यापक सहयोग किए जाएं ताकि महिलाएं कुछ नया और बेहतर करें, जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएचजी के उत्पाद की मैपिंग कर जेएसएलपीएस अंतर्गत कार्यरत डीपीएम और बीपीएम को बाजार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपे। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि जेएसएलपीएस अंतर्गत 5 हजार नए सखी मंडल के गठन किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। 60 हजार परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य की समस्त सखी मंडलों के विकास के लिए बैंक से 5 हजार करोड़ रुपए ऋण उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य है। विभाग द्वारा ढाई लाख नए महिलाओं को आजीविका के विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

एसएचजी के लिए बेहतर बाजार की व्यवस्था होः हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि पूरे राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बाजार मिले यह सुनिश्चित करें। दूसरे राज्यों के महत्वपूर्ण स्थानों में भी पलाश मार्ट जैसे विक्री केंद्र स्थापित हो, इस निमित्त कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मुख्य पर्यटन स्थलों में भी पलाश मार्ट अथवा उसी अनुरूप अन्य विक्री केंद्र को स्थान मिले इस हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर योजना को गति दें। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि कांके रोड, रांची में बनाए जा रहे नवनिर्मित पलाश मार्ट भवन निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इस वर्ष और 6 पलाश मार्ट बनाए जाने का लक्ष्य है तथा आने वाले वर्षों में सभी जिलों में पलाश मार्ट भवन बनाए जाने की भी योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे प्रदेश के लिए पशुधन योजना बहुत ही प्रभावी योजना है, इस योजना को गति देते हुए ग्रामीण लोगों को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य करें।

सखी मंडल की महिलाओं को नवाचार एवं आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दें: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में जुट प्रोसेसिंग जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए रॉ-मैटेरियल की क्या स्थिति है, इसमें सुधार एवं मार्केटिंग की कितनी संभावनाएं हैं, इस पर विशेष कार्य योजना बनाते हुए कार्य को गति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हनी उत्पादन क्षेत्र में भी यहां असीम संभावनाएं हैं, इस पर बेहतर कार्य किया जा सकता है, विभाग वैसे क्षेत्रों को चिन्हित करे जहां हनी का ज्यादा उत्पादन होता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से जुड़ी महिलाएं, दिव्यांग महिलाएं, ओल्ड एज महिलाएं तथा विधवा महिलाओं को भी सेल्फ हेल्फ ग्रुप से जोड़े। विभाग एसएचजी की महिलाओं को नवाचार एवं आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दे। कलस्टर स्तर पर सेल्फ हेल्फ ग्रुप का निरंतर बैठकें हो तथा बैठक में लिए गए निर्णयों की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो इसकी रूपरेखा तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को बैंक से लिंकेज कराएं। प्रखंड स्तर पर स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएससी) में दीदी कैफे का संचालन हो इस निमित्त कार्य योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने लिफ्ट इरीगेशन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतों में बैठक कर वाटर मैनेजमेंट सिस्टम के बेहतर कार्यान्वयन के लिए ग्रामीणों को जोड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में जल संचय बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। जब हम जल संचय पर बेहतर कार्य करेंगे तभी लिफ्ट इरिगेशन की परियोजनाएं सफल होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जल संचय से संबंधित जितनी भी योजनाएं हैं उन योजनाओं को गति दें।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल संख्या–1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना–19/2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या–1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.06.2026 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 05.06.2026 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 05.06.2026 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Pannel Room, Beside MCH Building at Sadar Hospital, Ranchi	2898500	58000	5000	Two Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या–1, राँची।

PR.NO.380905 Building(26-27):D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन से अटकता विकास

पंचायतराज संस्थाओं और शहरी निकायों में पांच साल का कार्यकाल पूरा होने पर चुनाव कराने की संवैधानिक बाध्यता है। लेकिन इस अनिवार्यता की पालना नहीं करने की सरकारों की प्रवृत्ति ने पांच राज्यों के गांवों व शहरों में विकास कार्यों में जिस तरह से बाधा डाली है वह चिंताजनक है। केंद्र सरकार ने नियमित चुनाव नहीं कराने पर इन संस्थानों को दी जाने वाली मदद या तो रोक दी है अथवा उसे सीमित कर दिया है। राजस्थान सहित पांच राज्यों में पिछले तीन साल में पंचायत चुनाव नहीं होने के कारण 6500 करोड़ रुपए का अनुदान रुका है। चिंता की बात यही है कि राज्यों में जो सत्ता में हैं वे अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए निकाय व पंचायत संस्थानों के चुनाव टाल रहे हैं। राजस्थान में हाईकोर्ट ने अब चुनाव कराने की मियाद तक तय कर दी है।

राजनीतिक स्वार्थ व कानूनी दांव-पेचों के चलते चुनाव टालने की यह आत्मघाती प्रवृत्ति न केवल हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है, बल्कि विकास की गति को भी अवरुद्ध कर रही है। केंद्रीय वित्त आयोग और केंद्रीय मंत्रालयों के कड़े नियमों के मुताबिक, यदि स्थानीय निकायों में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद नहीं हैं, तो पूरा फंड जारी नहीं किया जाएगा। इस वित्तीय गतिरोध के चलते गांवों और शहरों में बुनियादी विकास कार्य ठप पड़े हैं, जिससे सीधे तौर पर आम जनता प्रभावित हो रही है। संविधान में स्थानीय सरकारों के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल सुनिश्चित है और संकट की स्थिति में भी छह महीने के भीतर चुनाव कराने का अनिवार्य नियम है। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अभाव में व्यवस्था प्रशासनिक अधिकारियों के भरोसे छोड़ने को उचित नहीं कहा जा सकता। यह प्रवृत्ति सत्ता के केंद्रीकरण की ओर भी स्पष्ट इशारा करती है। हैरत की बात यह है कि कोरोना महामारी दौर में भी उत्तरप्रदेश में सरकार ने अप्रेल-मई 2021 में, ग्राम पंचायत चुनाव कार्यकाल पूरा होने पर करा दिए थे। लेकिन वहां भी अब ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने पर प्रशासक बैठाने की तैयारी की जा रही है। संवैधानिक प्रावधान भले ही कुछ और कहते हैं लेकिन सरकारों ने ठान लिया है कि वे चाहेंगी तब ही चुनाव कराएंगी। इस लेटलतीफी का जनता को दोहरा नुकसान होता है। विकास कार्यों में बाधा तो आती ही है जनप्रतिनिधि नहीं होने से छोटी-छोटी परेशाानियों के लिए प्रशासनिक तंत्र का मुंह ताकना पड़ता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहलाने वाले भारत में निर्वाचित जनप्रतिनिधि स्थानीय शासन व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद चुनाव समय पर नहीं कराना चिंता का विषय है। जब तक सीटों के रोटेशन, आरक्षण और चुनाव तिथियों के निर्धारण का पूरा अधिकार राज्य चुनाव आयोग को स्वायत्त रूप से नहीं मिलेगा, तब तक सरकारें अपने स्तर पर फैसले करती रहेंगी। राज्य सरकारों को राजनीतिक संकीर्णता से ऊपर उठकर समय पर चुनाव सुनिश्चित करने चाहिए।

रोप वे और एडवेंचर राइडिंग की सुरक्षा पर उठते सवाल

हाल की घटनाओं ने एक बार फिर रोप वे और एडवेंचर राइडिंग के दौरान सुरक्षा इंतजामों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। जम्मू कश्मीर के बारामूला में गुलमर्ग गोंडोला में बचाव दलों ने अलग-अलग कैबिनों में फंसे तीन सौ से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। इसके लिए बचाव दलों की तारीफ की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर आगरा में एडवेंचर राइड के दौरान जिप लाइनिंग झूले का तार टूटने से किशोर की मौत सचमुच दुर्भाग्यजनक है। गुलमर्ग गोंडोला एशिया की सबसे ऊंची और लंबी रोप वे में से एक है। हर साल यहां हजारों पर्यटक आते हैं। इसमें दो राय नहीं कि रोप वे, झूले व वाटर राइडिंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों को रोमांचित करती हैं। लेकिन जब रखरखाव में खामियों के चलते तकनीकी खराबी आ जाए तो गुलमर्ग व आगरा जैसी घटनाएं होने में देरी नहीं लगती। बड़ी चिंता यह है कि इससे पहले भी अलग-अलग स्थानों पर हुए रोप वे या एडवेंचर राइड के दौरान हुए हादसों से भी सबक नहीं लिया गया। पिछले हादसों की जांच की लंबी-चौड़ी कवायद के बावजूद सुरक्षा मानकों के पालन में कोताही बरती जाने लगी है। रोप वे पहाड़ी और दुर्गम स्थानों पर जाने के लिए आसान माध्यम जरूर है लेकिन इनके संचालन में जरा सी चूक बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। सबसे बड़ी जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जिसमें इस तरह के हादसे हो ही नहीं। यह तभी संभव है जब रोप वे के परिचालन से पूर्व नियमित सुरक्षा जांच का बंदोबस्त हो। हर साल संचालन अनुमति का नवीनीकरण भी होना जरूरी है। बिना सुरक्षा मानकों की पालना किए किसी भी तरह के रोप वे अथवा अन्य एडवेंचर राइडिंग को अनुमति नहीं दी जाए। और, सबसे बड़ी बात यह है कि लापरवाही के प्रत्येक मामले में सख्त सजा का प्रावधान हो। आम तौर पर यह देखने में आता है कि लापरवाही बरतने वालों पर मामूली कार्रवाई होकर रह जाती है। चाहे रोप वे का संचालन हो या दूसरे मनोरंजन पार्कों में एडवेंचर गतिविधियां। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वहां किसी भी अप्रिय स्थिति का तत्काल मुकाबला किया जा सके। ऐसे में आपातकालीन बचाव उपाय तो हर वक्त तैयार रखने ही होंगे। साथ ही, पर्यटकों को भी जानकारी दी जानी चाहिए कि ऐसी एडवेंचर राइडिंग में उन्हें क्या सावधानी रखनी है। सीट बेल्ट, हेलमेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गुलमर्ग हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट, कार्रवाई, हादसों के पीड़ितों को मुआवजा जैसे कदम हर हादसे के बाद उठाए जाते हैं। लेकिन तकनीकी खामियां न हो इस दिशा में अधिक काम होता नहीं दिखता। ऐसे स्थलों पर बड़ी जिम्मेदारी व जवाबदेही स्थानीय प्रशासन की होती है। इसलिए स्थानीय निकायों को व्यापक अधिकार भी देने होंगे ताकि वे कहीं रोप वे या एडवेंचर गतिविधि को असुरक्षित पाएं तो तत्काल बंद करा दें।

भीषण गर्मी के दौर में कितना सुरक्षित है बोतलबंद

बढ़ रहा प्लास्टिक कचरे का बोझ भारत का बोतलबंद पानी उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है और राजस्थान जैसे शुष्क राज्यों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही, प्लास्टिक कचरे का बोझ भी बढ़ रहा है। लेकिन वास्तविक चिंता केवल कचरे की नहीं है। चिंता यह है कि अत्यधिक तापमान वाली परिस्थितियों में प्लास्टिक पैकेजिंग के व्यवहार और उसके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों पर सार्वजनिक विमर्श लगभग अनुपस्थित है।

डॉ. मुकेश शर्मा

राजस्थान में गर्मी हर वर्ष नए रेकॉर्ड बना रही है। चूरू, श्रीगंगानगर, बीकानेर और जैसलमेर जैसे क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच जाता है, लेकिन एक प्रश्न है, जिस पर न सरकार गंभीर चर्चा कर रही है, न उद्योग और न ही समाज- क्या हमारी प्लास्टिक पैकेजिंग व्यवस्था ऐसी भीषण गर्मी के लिए वास्तव में सुरक्षित है? आज राजस्थान के शहरों से लेकर कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक बोतलबंद पानी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। रेलवे स्टेशन हो, बस स्टैंड, पर्यटन स्थल, धार्मिक मेले या सडक किनारे दुकानें- हर जगह प्लास्टिक की बोतलें सहज उपलब्ध हैं। सुविधा के इस युग में यह स्वाभाविक भी लगता है, किंतु समस्या वहीं से शुरू होती है, जहां सुविधा और सुरक्षा के बीच संतुलन बिगडने.लगता है।

बढ़ रहा प्लास्टिक कचरे का बोझः भारत का बोतलबंद पानी उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है और राजस्थान जैसे शुष्क राज्यों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही, प्लास्टिक कचरे का बोझ भी बढ़ रहा है। लेकिन वास्तविक चिंता केवल कचरे की नहीं है। चिंता यह है कि अत्यधिक तापमान वाली परिस्थितियों में प्लास्टिक पैकेजिंग के व्यवहार और उसके संभावित स्वास्थ्य प्रभावों पर सार्वजनिक विमर्श लगभग अनुपस्थित है। राजस्थान जैसे प्रदेश, जहां गर्मी सामान्य नहीं बल्कि चरम स्तर की होती है, वहां यह प्रश्न और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाता है। वैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि अत्यधिक तापमान की परिस्थितियों में कुछ प्रकार की प्लास्टिक सामग्री की रासायनिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक पर हो रहे हालिया शोधों ने भी नई चिंताएं उत्पन्न की हैं। यद्यपि इन प्रभावों के संबंध में वैज्ञानिक समुदाय अभी और प्रमाण एकत्र कर रहा है, फिर भी उपलब्ध निष्कर्ष इतने महत्त्वपूर्ण अवश्य हैं कि उन्हें केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। जब करोड़ों लोग प्रतिदिन बोतलबंद पानी का उपयोग कर रहे हों, तब यह विषय जनस्वास्थ्य की चर्चा का हिस्सा बनना ही चाहिए।

पैकेजिंग सुरक्षा को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं: विडंबना यह है कि हम खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, दवाओं की सुरक्षा और वाहनों के मानकों पर तो विस्तार से चर्चा करते हैं, किंतु पैकेजिंग सुरक्षा पर अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं देती। विशेष रूप से उन राज्यों में, जहां तापमान देश के अधिकांश हिस्सों से कहीं अधिक रहता है। प्रश्न यह नहीं है कि प्लास्टिक उपयोगी है या नहीं, प्रश्न यह है कि क्या वर्तमान मानक राजस्थान जैसी जलवायु की वास्तविकताओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं? समस्या का दूसरा पक्ष आर्थिक है। प्लास्टिक प्रदूषण का मूल्य केवल बाजार में बिकने वाली बोतल की कीमत से नहीं आंका जा सकता। कचरा प्रबंधन, लैंडफिल, जल स्रोतों की सफाई, पर्यावरणीय क्षति और संभावित स्वास्थ्य जोखिमों की लागत अंततः समाज को ही वहन करनी पड़ती है। यदि किसी उत्पाद की सुविधा का लाभ निजी है, लेकिन उसके दुष्प्रभावों की लागत सार्वजनिक है, तो नीति-निमार्ताओं को हस्तक्षेप करना ही पड़ता है।

कई देशों ने मानकों पर किया काम : दुनिया के कई देशों ने इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों ने डिपॉजिट-रिटर्न प्रणाली के माध्यम से प्लास्टिक बोतलों की वापसी और पुनर्चक्रण को अत्यंत प्रभावी बनाया है। ऑस्ट्रेलिया जैसे गर्म जलवायु वाले देशों में भंडारण और परिवहन मानकों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इन उदाहरणों का उद्देश्य उनकी नकल करना नहीं, बल्कि यह समझना है कि वैज्ञानिक नीति और उद्योग की जवाबदेही मिलकर समस्या का समाधान खोज सकती है। भारत में बीआइएस, एफएसएसएआइ और विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं, किंतु राजस्थान जैसे अत्यधिक गर्म राज्यों के लिए तापमान-आधारित पैकेजिंग सुरक्षा मानकों पर अभी भी पर्याप्त चर्चा दिखाई नहीं देती। जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में अत्यधिक गर्म दिनों की संख्या और बढने.की संभावना है। ऐसे में पैकेजिंग सुरक्षा का प्रश्न केवल उपभोक्ता सुविधा का नहीं, बल्कि जलवायु अनुकूलन और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा का विषय भी है।

समर-सेफ पैकेजिंग मॉडल की आवश्यकताः यहीं से एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता सामने आती है- समर-सेफ पैकेजिंग मॉडल की। इसका अर्थ केवल प्लास्टिक का विरोध नहीं, बल्कि ऐसी पैकेजिंग व्यवस्था विकसित करना है, जो 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों पर खरी उतर सके। इसके अंतर्गत उच्च तापमान परीक्षण, स्पष्ट तापमान चेतावनी, सुरक्षित भंडारण मानक, जलवायु-विशिष्ट प्रमाणन और प्रभावी पुनर्चक्रण व्यवस्था जैसे उपाय शामिल किए जा सकते हैं। राजस्थान इस दिशा में देश का नेतृत्व कर सकता है। यहां की जलवायु स्वयं एक प्राकृतिक परीक्षणशाला है। यदि राज्य सरकार, वैज्ञानिक संस्थान, विश्वविद्यालय और उद्योग मिलकर गर्म क्षेत्रों के लिए सुरक्षित पैकेजिंग मानक विकसित करें, तो यह केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि विश्व के अन्य गर्म क्षेत्रों के लिए भी उपयोगी मॉडल सिद्ध हो सकता है। यह अवसर केवल पर्यावरणीय सुधार का नहीं, बल्कि नवाचार, नीति-नेतृत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण का भी है।

अंततः प्रश्न प्लास्टिक की बोतल का नहीं, सोच का है। हम 50 डिग्री तापमान वाली वास्तविकता में जी रहे हैं, लेकिन हमारी पैकेजिंग नीतियां अभी भी अपेक्षाकृत सामान्य जलवायु की धारणाओं पर आधारित हैं। यदि मौसम बदल चुका है, तो मानक भी बदलने होंगे। राजस्थान की तपती धरती आज हमसे यही पूछ रही है- क्या हमारी प्यास बुझाने वाली व्यवस्था हमारी सुरक्षा की भी उतनी ही चिंता करती है? यदि नहीं, तो अब समय आ गया है कि हम केवल ठंडा पानी नहीं, बल्कि सुरक्षित पानी मांगना शुरू करें।

संवैधानिक विवेक और संघीय संतुलन से हो परिसीमन

प्रतिनिधित्व का असंतुलन और बढ़ती मतदाता-सांसद दूरी वर्ष 1970 के दशक में यह आशंका सामने आई कि यदि प्रत्येक जनगणना के बाद सीटों का पुनर्वितरण केवल जनसंख्या के आधार पर किया गया, तो वे राज्य जिन्होंने परिवार-नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या-नियंत्रण में बेहतर कार्य किया, राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पीछे रह सकते हैं।

हरबंश दीक्षितडीन

लोकसभा के चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन की बहस फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है और कई बार यह उत्तर बनाम दक्षिण के विवाद की सीमा तक पहुंचती दिखती है। लोकसभा के आकार, राज्यों की हिस्सेदारी और महिला आरक्षण के क्रियान्वयन से जुड़े प्रश्न इसे और संवेदनशील बनाते हैं। यदि भविष्य में सीटें जनसंख्या के अनुपात में पुनर्वितरित की जाती हैं, तो तेजी से जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है, जबकि धीमी वृद्धि वाले राज्यों का अनुपात घट सकता है। यह विशेष रूप से दक्षिण भारत और कुछ छोटे तथा पूर्वोत्तर राज्यों की चिंताओं से जुड़ता है। यह प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत केवल मतदाताओं की संख्या का जोड़ नहीं है, बल्कि अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और राजनीतिक अनुभवों का संघ है।

क्या केवल जनसंख्या तय करेगी संसद में राज्यों की ताकत? : यहां लोकतंत्र का अर्थ केवल 'एक व्यक्ति, एक वोट' नहीं हो सकता, उसके साथ 'एक राज्य, एक सम्मानजनक आवाज' भी जुड़ी है। यदि जनसंख्या को ही प्रतिनिधित्व की अकेली कसौटी बना दिया जाए, तो बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्य स्वयं को दंडित महसूस कर सकते हैं, जबकि अधिक आबादी वाले राज्यों के नागरिक अपने मत के मूल्य पर सवाल उठा सकते हैं। यह अंतर्विरोध परिसीमन को आज के भारत का एक महत्त्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न बनाता है। यह बहस केवल उत्तर बनाम दक्षिण या बड़े बनाम छोटे राज्यों की राजनीति नहीं है, बल्कि आने वाले दशकों में संसद की संरचना, राज्यों की हिस्सेदारी और केंद्र-राज्य संबंधों की दिशा तय करने वाला मुद्दा है। इसलिए परिसीमन पर विचार करते समय संवैधानिक विवेक और संघीय संतुलन भी जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 81 लोकसभा में राज्यों को जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था करता है और अनुच्छेद 82 प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन का मार्ग प्रशस्त करता है। सिद्धांततः यह व्यवस्था न्यायपूर्ण प्रतीत होती है, क्योंकि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का आधार जनसंख्या है। लेकिन भारत जैसे संघीय देश में यह प्रश्न इतना सरल नहीं है।

प्रतिनिधित्व का असंतुलन और बढ़ती मतदाता-सांसद दूरीः वर्ष 1970 के दशक में यह आशंका सामने आई कि यदि प्रत्येक जनगणना के बाद सीटों का पुनर्वितरण केवल जनसंख्या के आधार पर किया गया, तो वे राज्य जिन्होंने परिवार-नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या-नियंत्रण में बेहतर कार्य किया, राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पीछे रह सकते हैं। इसी कारण लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों के पुनर्वितरण पर रोक लगाई गई, जिसे बाद में 84वें संविधान संशोधन द्वारा 2026 के बाद की पहली जनगणना तक बढ़ा दिया गया। इस व्यवस्था के पीछे यह चिंता थी कि बेहतर सामाजिक प्रदर्शन करने वाले राज्यों को उनके ही प्रदर्शन की सजा न मिले। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति की है। यदि इस प्रगति का परिणाम राजनीतिक हिस्सेदारी में कमी के रूप में सामने आए, तो यह संघीय न्याय की दृष्टि से असंतोष पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की चिंता भी महत्त्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में एक सांसद पर मतदाताओं का बोझ अत्यधिक बढ़ गया है। यदि एक सांसद लाखों मतदाताओं और बड़े क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, तो जनसमस्याओं तक उसकी वास्तविक पहुंच कठिन हो जाती है।

समाधान का रास्ता संघीय संतुलन सेः इस दृष्टि से लोकसभा के आकार पर पुनर्विचार भी आवश्यक माना जा सकता है। समस्या लोकसभा का आकार बढ़ाने में नहीं, बल्कि उसके सूत्र और समय में है। यदि सीटों की संख्या बढ़ाई जाती है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि क्या किसी राज्य की वर्तमान हिस्सेदारी घटेगी या नहीं। क्या सभी राज्यों को न्यूनतम सुरक्षा दी जाएगी? क्या जनसंख्या-नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के साथ न्याय होगा? क्या छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर की आवाज राष्ट्रीय संसद में और कमजोर नहीं होगी? इन प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर दिए बिना परिसीमन की प्रक्रिया राजनीतिक विवाद और क्षेत्रीय असंतोष को जन्म दे सकती है। लोकसभा और राज्यसभा के बीच संतुलन का प्रश्न भी इस बहस का महत्त्वपूर्ण पक्ष है। लोकसभा जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है। किंतु भारतीय राज्यसभा अमरीकी सीनेट की तरह प्रत्येक राज्य को समान प्रतिनिधित्व नहीं देती। यहां भी राज्यों की जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में अंतर है। इसलिए यदि लोकसभा में बड़े राज्यों का प्रभाव बहुत अधिक बढ़ता है और राज्यसभा भी उसे संतुलित करने में पर्याप्त सक्षम नहीं होती, तो संघीय ढांचे में असंतुलन की आशंका बढ़ सकती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह स्थिति अत्यंत सावधानी से विचार करने योग्य है। समाधान टकराव में नहीं, संतुलन में है।पहला, किसी भी राज्य की वर्तमान लोकसभा हिस्सेदारी की न्यूनतम सुरक्षा हो ताकि सीटें घटें नहीं। दूसरा, नई सीटों का वितरण जनसंख्या के साथ भौगोलिक विस्तार, प्रशासनिक सुविधा और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर हो। तीसरा, छोटे और पूर्वोत्तर राज्यों की आवाज को विशेष संवैधानिक संवेदनशीलता से सुरक्षित किया जाए। चौथा, राज्यसभा की भूमिका को संघीय संतुलन के उपकरण के रूप में अधिक गंभीरता से देखा जाए। सबसे आवश्यक है कि परिसीमन पर सर्वदलीय और अंतर-राज्यीय सहमति बने। यह प्रक्रिया केवल विधिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक विश्वास पर आधारित होनी चाहिए। परिसीमन का उद्देश्य केवल सीटों की रेखाएं खींचना नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की न्यायपूर्ण व्यवस्था बनाना भी है।

सत्यं वद, धर्म चर

चिंतन-मनन

'सत्यं वद, धर्मं चर भारतीय समाज की आत्मा का शाश्वत घोष है। भारतीय चिंतन में सत्य को ईश्वर का स्वरूप और धर्म को जीवन की मयार्दा माना गया है। वेदों, उपनिषदों और महाभारत से लेकर लोकजीवन तक, सत्य और धर्म ने भारतीय संस्कृति को नैतिक आधार प्रदान किया है। आज जब भौतिकता और त्वरित सफलता की दौड़ में मानवीय मूल्य क्षीण होते दिखाई दे रहे हैं, तब भारतीय ज्ञान-परंपरा का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो गया है। तैत्तिरीयोपनिषद् में वर्णन मिलता है :

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः।
आचार्याय प्रियं धनमाहृत्य प्रजातन्तुं मा व्यवच्छेत्सीः।

इन पंक्तियों का अर्थ है सत्य बोलो। धर्मसम्मत कर्म करो। स्वाध्याय के प्रति प्रमाद मत करो। आचार्य को जो अभीष्ट हो वह धन (भिक्षा से) लाओ और संतान-परंपरा का छेदन न करो (यानी गृहस्थ बनकर संतानोत्पत्ति कर पितृऋण से मुक्त होओ)। कितना सरल आदेश है और कितना कठिन भी! आज जब हर ओर छल-प्रपंच का बाजार गर्म है, सफलता के नाम पर झूठ को चतुराई कहा जाने लगा है, तब ये शब्द सच्चे मार्गदर्शन के लिए हमारे समक्ष उपस्थित हैं। कहा गया है :

सत्यमेव जयते नानृतं, सत्येन पन्था विततो देवयानः।

अर्थात सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं। सत्य से ही देवलोक का मार्ग प्रशस्त होता है। संत कबीर ने भी इसी सत्य को लोक की सहज भाषा में कहा है :

सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदे सांच है, ताके हिरदे आप।।

सत्य केवल वाणी का विषय नहीं है। यह तो मन, वचन और कर्म की समरूपता की उच्च अवस्था है। हम अपने जीवन में जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, जब ये तीनों एक ही धारा में बहने लगें, तभी सच्चा सत्य जन्म लेता है। इसी को हमारे ऋषियों ने त्रिकरण शुद्धि कहा है। सत्यं वद हमें यही सिखाता है कि सत्य एक जीवन-शैली है। जो मनुष्य एक बार सत्य की राह पकड़ लेता है, उसे फिर अपनी बात याद रखने की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि सत्य अपना रास्ता सहज अवस्था में बना लेता है। दूसरा विषय आता है धर्मं चर यानी धर्म का आचरण करो। यहां धर्म से तात्पर्य किसी मजहब या संप्रदाय से नहीं है। ऋषियों का धर्म बहुत व्यापक है।

धारणात् धर्म इत्याहुः, धर्मो धारयते प्रजाः।
जो धारण करे, वही धर्म है।

आपके पत्र

पेट्रोल-डीजल वाहनों का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन

अमेरिका और ईरान युद्ध के कारण हमारे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है। इससे आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ रहा है, खासतौर पर जिनका कारोबार अपने निजी वाहनों के जरिए होता है, डीजल की कीमत में वृद्धि से सार्वजनिक वाहनों में सफर भी महंगा हो सकता है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम ई-बस सेवा योजना को हरी झंडी देकर चंडीगढ़ के लिए लगभग 25 इलेक्ट्रिक बसों का वर्चुअल तरीके से शुरूआत की।

हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी पहल हो चुकी है। यहां की सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अच्छी पहल करते हुए अब हिमाचल रोडवेज के लिए सिर्फ नई इलेक्ट्रिक बसें और अन्य सरकारी वाहन ही खरीदने का मन बनाया है। हिमाचल सरकार इससे अपने यहां डीजल और पेट्रोल का प्रयोग भी कम करेगी।

कैलाशपति पांडेय, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

दानवीर कर्ण वर्ष के बारहों महीने सवा मन सोना दान किया करते थे : पुरोहित

साहिबगंज : पुरुषोत्तम मास की एकादशी के अवसर पर बुधवार को मारवाड़ी समाज की ओर से खाटू वाले श्याम बाबा की भव्य निशान शोभायात्रा निकाली गई।राजस्थानी वेशभूषा में शामिल श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा की शुरूआत चौक बाजार स्थित डाकिनाथ मंदिर की ठाकुरबाड़ी से हुई।मारवाड़ी समाज के पुरोहित महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में निकली यह यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए दहला स्थित पुरुषोत्तम गली पहुंची जहां खाटू श्याम बाबा के शीश की स्थापना की गई है।श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर बाबा की परिक्रमा की तथा प्रसाद ग्रहण किया।इस दौरान खाटू श्याम बाबा मंदिर के पुरोहित सोनू पांडे ने पुरुषोत्तम मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह माह दान और पुण्य का प्रतीक माना जाता है।उन्होंने कहा कि दानवीर कर्ण वर्ष के बारहों महीने सवा मन सोना दान किया करते थे और पुरुषोत्तम मास में किया गया दान विशेष फलदायी माना जाता है।उन्होंने लोगों से जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील भी की।निशान यात्रा चौक बाजार,महात्मा गांधी चौक,जैन राय रोड,महाजन पट्टी,गुड़ बाजार और धर्मशाला चौक होते हुए पुनःअपने गंतव्य स्थान पहुंची,जहां श्रद्धालुओं ने अपने-अपने निशान और ध्वज की पूजा कर उन्हें खाटू श्याम बाबा के दरबार में समर्पित किया।पूरे आयोजन के दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कांग्रेस संगठन में युवा नेतृत्व को बड़ी जिम्मेदारी

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए युवा एवं कर्मठ कार्यकर्ता संजय कुमार को विभाग का वाइस चेयरमैन नियुक्त किया है।इसको लेकर कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश महासचिव अश्विनी आंनद के खुशी जाहिर करते हुए बताया कि संगठन के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका, सोशल मीडिया पर पार्टी की विचारधारा को मजबूती से रखने की क्षमता तथा लगातार जनसरोकार के मुद्दों पर उनकी भागीदारी को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया है।वही संजय कुमार की नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है।पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस की आवाज और अधिक प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचेगी।इस अवसर पर अनेक नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

भाव सागर जी महाराज की मौजूदगी में मांगलिक क्रियाएं संपन्न

हजारीबाग : परम पूज्य मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज,मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के सान्निध्य में आज 27 मई 2026 को प्रातः काल की बेला में श्री दिगंबर जैन बड़ा बाजार मंदिर हजारीबाग झारखंड में विशेष मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुई। महिला वर्ग ने शास्त्र अर्पण का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने कहा कि जो मंदिर के शिखर को देखता है 30 उपवास का फल मिलता है। जो मंदिर के आंगन में पहुंच जाता है छह माह के उपवास का फल मिलता है। मंदिर के द्वार में प्रवेश करता है तो एक वर्ष के उपवास का फल मिलता है। मंदिर की परिक्रमा करने से 100 वर्ष के उपवास का फल मिलता है। प्रतिमा का मुख देखने से 1000 वर्ष के उपवास का फल मिलता है। जो प्रतिमा के समक्ष भक्ति ,पूजन करता है उसको अनंत उपवास का फल मिलता है। यह परिणामों की विशुद्धि के ऊपर निर्भर करता है। उपवास के बराबर पुण्य मिलेगा यह समझना चाहिए। 18 जून को श्री धर्मनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव पूरे विश्व में मनाया जाएगा, इस दिन गुरु पुष्य योग है , सर्वार्थ सिद्धि एवं रवि योग भी है, इस दिन निर्वाण लाडू अर्पण किया जाएगा,19 जून 2026 शुक्रवार द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन श्रुत पंचमी , जिनवाणी रक्षा,ज्ञान महायज्ञ महोत्सव आने वाला है। दिगंबर जैन धर्म के अनुसार यह महा पवित्र दिन है इस दिन सबसे बड़े ग्रंथ षट्खंडागम ग्रंथ की रचना पूर्ण हुई थी। वैसे तो पूरी दुनिया में यह पर्व उत्साह से मनाया जाता है, लेकिन इस बार कुछ नए तरीके से मनाना है।

सेवा करने वालों का सम्मान करना है। जीर्ण शीर्ण पुराने शास्त्रों को ठीक करने वालों का सम्मान करना है। जिन्होंने इस क्षेत्र में कार्य किया है उन सभी का सम्मान करना है, श्रुत स्कंध ताम्रपत्र का अभिषेक करें। मीडिया प्रभारी विजय जैन लुहाड़िया ने बताया कि कल मुनि श्री का सानिध्य बाड़म बाजार दिगंबर जैन मंदिर में प्रातः विधान में होगा। बाहर से आए संगीतकार आस्तिक जी के सानिध्य में संगीतमय विधान होगा। संध्या में महा आरती को णमोकार जाप का कार्यक्रम दोनों मंदिर में होगा।

उपायुक्त ने की आपदा प्रबंधन की तैयारी की समीक्षा

हजारीबाग : जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और अन्य आपदा प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों को लेकर समाहरणालय भवन में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता और महापौर अरविंद राणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी आपदा की श्रेणी में आती है। इसके मद्देनजर प्रशासन ने सभी सरकारी कार्यालयों में आम जनता की सुविधा के लिए प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित की है। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि दोपहर के समय अनावश्यक घर से बाहर न निकलें और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतें। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि जिले के सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नर्सों की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि हीटवेव से प्रभावित लोगों को तुरंत उपचार मिल सके।

जिले में हाल के दिनों में डूबने की घटनाओं पर चिंता जताते हुए, प्रशासन ने चार नए गोताखोरों को प्रशिक्षित कर उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है, ताकि आपातकालीन स्थिति में त्वरित राहत कार्य किए जा सकें। महापौर अरविंद राणा के सुझाव पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि गर्मी को देखते हुए पशुओं के लिए भी जगह-जगह पानी की नाद (पानी के कुंड) की व्यवस्था की जाए। नगर निगम क्षेत्र में खराब पड़े चापानलों की मरम्मत में तेजी लाने के लिए उपायुक्त ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को गैंगमैन की सूची महापौर को सौंपने का निर्देश दिया है, ताकि समन्वय बनाकर खराब चापानलों को तत्काल ठीक किया जा सके।

देवघर में त्रिकूट रोपवे बंद होने से हजारों लोगों की रोजी रोटी पर संकट, सरकार से फिर चालू कराने की मांग

संवाददाता

देवघर : झारखंड के देवघर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं, जहां देशभर से लोग घूमने और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। इन्हीं पर्यटन स्थलों में एक प्रमुख नाम है देवघर का त्रिकूट पहाड़। धार्मिक आस्था और प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर यह स्थल वर्षों से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है।

खासकर त्रिकूट पहाड़ पर संचालित रोपवे लोगों के लिए रोमांच और मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन माना जाता था। परिवार और दोस्तों के साथ आने वाले पर्यटक रोपवे की सवारी कर पहाड़ों और जंगलों के मनोरम दृश्य का आनंद लेते थे, लेकिन वर्ष 2022 में हुए दर्दनाक रोपवे हादसे ने इस पर्यटन स्थल की पहचान और रौनक दोनों को गहरा आघात पहुंचाया। हादसे के बाद से लोगों के मन में भय का माहौल बन गया, जिसका सीधा असर यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या पर पड़ा है।

रोपवे बंद होने से पर्यटकों की संख्या घटी कभी जहां बड़ी संख्या में लोग त्रिकूट पहाड़ पहुंचते थे, वहीं अब यहां पहले जैसी भीड़ देखने को नहीं मिलती। पर्यटकों की संख्या घटने का असर सिर्फ राज्य सरकार के राजस्व पर ही नहीं पड़ा, बल्कि इस पर्यटन स्थल पर निर्भर स्थानीय लोगों की आजीविका भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्थानीय दुकानदारों, होटल संचालकों, वाहन चालकों और छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि हादसे के बाद उनके कारोबार में भारी गिरावट आई है।

लोगों के अनुसार आज की तारीख में यहां पर्यटकों की आवाजाही करीब 70 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सावन और भादो के महीने में जब बाबा बैद्यनाथ धाम में लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे, तब उनमें से बड़ी संख्या में लोग त्रिकूट पहाड़ घूमने भी आते थे। इससे यहां के स्थानीय व्यापार को काफी बढ़ावा मिलता था। खाने-पीने की दुकानें, खिलौने और धार्मिक सामग्री बेचने वाले दुकानदार, होटल और ऑटो चालक सभी की अच्छी कमाई हो जाती थी।

रोपवे बंद होने से लोगों की आजीविका पर संकट

लोगों का कहना है कि पहले सावन और भादो के दौरान ही डेढ़ से दो लाख रुपये तक की आमदनी हो जाती थी। जिससे उनका सालभर का खर्च आसानी से चल जाता था, लेकिन पिछले चार वर्षों से उनकी आय पर मानो ग्रहण लग गया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानीय लोग रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।

त्रिकूट पहाड़ स्थित मंदिर के पुजारी भी मानते हैं कि हादसे का असर धार्मिक गतिविधियों पर पड़ा है। उनका कहना है कि वर्ष 2022 से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ रोपवे का आनंद लेने त्रिकूट पहाड़ आते थे, लेकिन हादसे के बाद लोगों के मन में डर बैठ गया है। इस कारण यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी कम हो गई है।

स्थानीय लोगों में प्रशासन और सरकार के प्रति नाराजगी भी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि पिछले चार वर्षों से रोपवे की मरम्मत और पुनः संचालन को लेकर लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आई।

त्रिकूट रोपवे को फिर से चालू करने की मांग

लोगों का कहना है कि सिर्फ योजनाओं और घोषणाओं तक बातें सीमित रह गई हैं। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि त्रिकूट रोपवे का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि यहां पर्यटन गतिविधियां फिर से शुरू हो सकें और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें। उनका कहना है कि यदि रोपवे दोबारा शुरू होता है तो न सिर्फ पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

क्या कहा जिला पर्यटन पदाधिकारी ने

वहीं इस पूरे मामले पर जिला पर्यटन पदाधिकारी संतोष कुमार ने कहा कि त्रिकूट पहाड़ रोपवे को लेकर राज्य स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में हाईकोर्ट में भी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही राज्य सरकार नए रोपवे के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकती है। साथ ही स्थानीय लोगों को पर्यटन आधारित रोजगार से जोड़ने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। गौरतलब है कि देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम देश-दुनिया में प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ऐसे में देवघर के अन्य पर्यटन स्थलों का महत्व भी काफी बढ़ जाता है।

त्रिकूट पहाड़ लंबे समय तक देवघर पर्यटन की पहचान रहा है, लेकिन हादसे के बाद इसकी चमक फीकी पड़ गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस वर्ष त्रिकूट पहाड़ एक बार फिर अपने पुराने स्वरूप में लौट पाएगा या फिर स्थानीय लोगों और पर्यटकों को अभी और लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

अल्ट्रासाउंड में डॉक्टर नही, एएनएम की रवैये से भी गर्भवती महिलाएं परेशान

संवाददाता

साहिबगंज : सीएस कई बार डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजो के साथ अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दे चुके है।इसके बावजूद कुछ स्वास्थ कर्मी मरीज के साथ अच्छा व्यवहार नही कर रहे है।यह मामला बुधवार को अल्ट्रासाउंड कक्ष में देखने को मिला जब एक गर्भवती महिला डॉक्टर के बारे में जनाकारी लेना चाही तो उसे जवाब कुछ और मिला।अल्ट्रासाउंड में मौजूद एएनएम की रवैये से गर्भवती महिलाएं काफी परेशान है।बुधवार को करीब 11:41 बजे एक घण्टा डॉक्टर के इंतजार में एक गर्भवती महिला अपने परिजन के साथ बैठी रही लेकिन डॉक्टर साहब नदारद रहे।इसपर जब वहां मौजूद एएनएम से डॉक्टर के बारे मे पूछा गया तो कहा कि उन्हें डॉक्टर आएंगे तो जांच हो जाएगा।फुर्सत है तो रुको नही तो जाओ।यह आरोप अंजुमन नगर की रहने वाली वाली गर्भवती महिला कायनात परवीन ने एएनएम पर लगाई है।गर्भवती महिला का आरोप है कि वे मंगलवार को भी अल्ट्रासाउंड जांच के लिए आई है।लेकिन काफी देर डॉक्टर का इंतजार देखने के बाद वे घर चली।दो दिन से उनका नम्बर लगा। बुधवार को वे करीब दस बजे अस्पताल पहुची।जब तक डॉक्टर साहब निकल गए। 11:41 बज गए लेकिन डॉक्टर साहब नही आये।जबकि भूखे पेट सुबह से है।इस पर जब ड्यूटी पर मौजूद एएनएम से पूछा कि डॉक्टर साहब कब आएंगे तो उन्होंने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि बैठना है तो बैठो नही तो चली जाओ इससे कोई मतलब नही है।इस पर महिलाओं ने एएनएम के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है।इधर डॉक्टर के समय पर अल्ट्रासाउंड में नही रहने से मरीजो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर मरीजो की भीड़ लगी रहती है इसमे कोई गर्भवती महिला तो कोई पेट की समस्या लेकर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए पहुचे है।लेकिन डॉक्टर नही रहने से काफी परेशानी हो रही है। इधर दोपहर 12 बजे तक महिला का अल्ट्रासाउंड जांच नही हो सका था। इधर सीएस डॉ.रामदेव पासवान ने बताया कि इस संबंध में डीएस ही कुछ बता सकते है।

पेयजल सुविधा केंद्र से राहगीरों को मिल रही राहत

संवाददाता

साहिबगंज : भीषण गर्मी बढ़ते तापमान को देखते हुए साहिबगंज जिले में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा जनहित में सराहनीय पहल की गई है। जिले के सभी प्रखंडों में कुल 44 सीएलएफ के माध्यम से पेयजल सुविधा केंद्र का संचालन किया जा रहा है।जहां आम जनता एवं राहगीरों के लिए ठंडे व स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।यह पहल माननीय मुख्यमंत्री सचिव महोदय एवं सीइओ जेएसएलपीएस के निर्देश एवं आदेश के आलोक में सखी मंडल की दीदियों द्वारा सेवा भाव के साथ संचालित की जा रही है। भीषण गर्मी के इस दौर में यह सुविधा केंद्र लोगों के लिए राहत का केंद्र बनकर उभरा है।सड़क से गुजरने वाले राहगीरों रिक्शा चालकों मजदूरों एवं स्थानीय नागरिकों ने इस व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी में स्वच्छ व ठंडा पेयजल उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है।सखी मंडल की दीदियाँ पूरी निष्ठा समर्पण व सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ इस कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं। यह पहल न केवल सामाजिक सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।बल्कि सामुदायिक सहभागिता व जनकल्याण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी साबित हो रही है।

इच्छुक अभ्यर्थी 15 जुलाई तक ऑनलाइन लिंक के माध्यम से नामांकन करा सकते हैं : डॉ ध्रुब

साहिबगंज : इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय देवघर के निदेर्शानुसार इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 साहिबगंज महाविद्यालय के समन्वयक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इग्नू में जुलाई 2026 सत्र हेतु निम्नलिखित कार्यक्रमों में नव नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन लिंक के माध्यम से नामांकन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पीजी एम.ए.अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास मे, यूजी मे बीए अंग्रेजी हिंदी इतिहास राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र,अर्थशास्त्र,लोक प्रशासन एवं मनोविज्ञान बी.कॉम सामान्य, बी.एससी सामान्य बीसीए डिप्लोमा डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट डीईसीई, डीएनएचई आदि मे नामांकन करा सकते है।श्री सिंह ने बताया कि इसके अतिरिक्त विभिन्न सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में भी नामांकन लिया जा रहा है।जुलाई 2026 सत्र के लिए पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया भी 15 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से जारी है।साथ ही जून 2026 सत्रांत परीक्षा जो 1 जून 2026 से प्रारंभ होने वाली है,के लिए एडमिट कार्ड,हॉल टिकट इग्नू की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है।

जनप्रतिनिधि से लोगों का विश्वास उठ जाएगा : भाजपा नेता

संवाददाता

साहिबगंजः रेलवे ने सैकड़ो परिवार को किया बेघर,आज रेलवे में आरपीएफ के साथ संयुक्त नेतृत्व में सैकड़ो घरों को ध्वस्त कर बेघर कर दिया।कई वर्षों से नगर परिषद का इधर कोई ध्यान नहीं रहने के कारण गरीब बेघर रहते हुए इधर से उधर भटकते रहे हैं।ये बाते भाजपा नेता जय प्रकाश सिंहा ने रेलवे कलोनी के निरीक्षण के दौरान कहा,उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से नगर परिषद सिर्फ जगह तलासने मैं लगी है।आज तक निर्णय तक नहीं पहुंच पाई है,

।जिससे बीपीएल परिवार को बसाने की दिशा में कार्रवाई हो सके,पिछले 20 वर्षों से नगर परिषद का इन लोगों के बेघर होने से बचने के लिए कोई सराहनीय कदम नहीं उठा रहा है।जिस वजह से पुनः आज रेल का शिकार गरीबों को होना पड़ा है।चुने गए जनप्रतिनिधियौ का भी इस और कोई ध्यान नहीं रहा है,₹400000 रुपए देकर पहाड़ किनारे की फ्लैट को सभी बीपीएल परिवार द्वारा ले पाना काफी मुश्किल है नगर परिषद अगर अति शीघ्र इसके निदान की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं करती है।तो सरकार और चुने गए जनप्रतिनिधि के प्रति लोगों का विश्वास उठ जाएगा।क्योंकि खासमहल होने के चलते भी यहां का विकास अवरुद्ध है।जन-प्रतिनिधि का आश्वासन भी मिला था।कि साहिबगंज की जमीन खासमहल की जमीन नहीं है।इसे खासमहल से मुक्त कराया जाएगा।श्री सिन्हा ने कहा कि घटना से सरकार और प्रधानमंत्री को भी अवगत कराया जा रहा है!

आभूषण व्यवसायियों ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार

संवाददाता

दुमका : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में चार दिनों के अंदर लुटेरों ने दो आभूषण व्यवसायियों को निशाना बनाया है. इससे सरार्फा कारोबार से जुड़े लोगों में दहशत है. बुधवार को सभी व्यापारियों ने थाने पहुंचकर थाना प्रभारी से सुरक्षा की गुहार लगाई है.

बीती रात नकदी और चांदी की हुई थी लूट

दरअसल, दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के कुशबोना गांव में बीती रात एक आभूषण व्यवसायी से ज्वेलरी और नगद रुपयों की लूट हुई है, शिकारीपाड़ा के मुख्य बाजार स्थित आभूषण दुकानदार संजय वर्मा, दुकान बंद करके अपने घर पर्वतपुर गांव जा रहे थे. तभी रास्ते में तीन बाइक पर सवार पांच आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट करने लगे. पांच आरोपियों में से दो के पास पिस्टल थी.

आभूषण व्यवसायी से लूट

व्यापारी के मुताबिक, पिस्टल को उन्होंने उनकी कनपटी पर सटा दी और उसके पास से आठ हजार रुपये नगद, ढाई सौ ग्राम चांदी के साथ अन्य दुकान की चाबी और कुछ जरूरी कागजात छीन लिए. जाते समय डराने के उद्देश्य से एक राउंड फायरिंग भी की. जिसके

बाद पीड़ित व्यापारी ने शिकारीपाड़ा थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है.

चार दिन पहले भी हुई थी लूट

बता दें कि तीन दिन पहले भी एक आभूषण दुकानदार संतोष वर्मा से इसी तरह लूट का प्रयास किया गया था. इस मामले में शिकारीपाड़ा बाजार के संतोष वर्मा रात में अपनी दुकान बंद करके नजदीक के ही कुम्हारपाड़ा मोहल्ले जा रहे थे. रास्ते में काफी अंधेरा था जबकि तीन अपराधी मौके की फिराक में थे. जैसे ही संतोष वर्मा वहां पहुंचे तीनों व्यापारी झपट पड़े और आभूषण से भरी थैली छीनने लगे लेकिन दुकानदार ने बहादुरी दिखाई और कसकर अपना झोला पकड़कर मदद के लिए आवाज लगाई.

उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग एकजुट होने लगे तो खुद को घिरता देख तीनों अपराधी फायरिंग करते भाग निकले. इस मामले में पुलिस की तहकीकात चली रही थी कि बीती रात भी शिकारीपाड़ा में ही दूसरी घटना घट गई.

एक सप्ताह में लगातार दो घटनाओं से शिकारीपाड़ा के आभूषण व्यवसायियों में भय है. बुधवार को वे एकजुट होकर शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी से मिले और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की.

बॉबी देओल ने अल्फा को बताया फ्रेश और दमदार अनुभव, आलिया-शर्वरी को भी सराहा

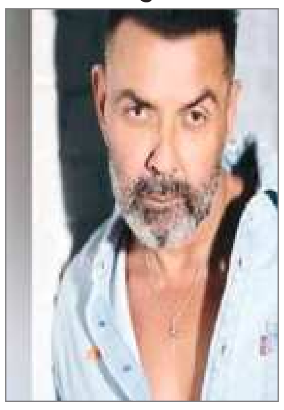

बॉबी देओल ने यशराज फिल्म्स की अल्फा की शूटिंग को अपने करियर के सबसे शानदार अनुभवों में से एक बताया है। यह फिल्म एक ऐसी असैसिन की ओरिजिन स्टोरी है, जिसे बचपन से ही मारने के लिए तैयार किया गया है। फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में हैं और शर्वरी भी अहम भूमिका निभा रही हैं। बॉबी का मानना है कि भारत में दो लड़कियों को लेकर एक बड़ी एक्शन फिल्म बनना अपने आप में बेहद खास और नया कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक अल्फा को भरपूर प्यार देंगे।

बॉबी देओल ने कहा, मुझे रणबीर और आलिया दोनों बहुत पसंद हैं और मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहता था। रणबीर के साथ मैंने एनिमल की और अब आलिया के साथ अल्फा की है। दोनों के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। भारत में अल्फा जैसी फिल्म बन रही है, जिसमें दो लड़कियां स्क्रीन पर दमदार एक्शन करती नजर आएंगी, यह अपने आप में बेहद कमाल की बात है। मुझे अल्फा इसलिए भी बहुत पसंद है क्योंकि यह नई, फ्रेश और दर्शकों के लिए थिएटर में एक अलग विजुअल अनुभव देने वाली फिल्म है।

बॉबी, आलिया भट्ट की मेहनत और तैयारी से खासे प्रभावित नजर आए। उन्होंने बताया कि आलिया ने अपने किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए जबरदस्त मेहनत की।

उन्होंने कहा, आलिया उन सबसे मेहनती और ईमानदार कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है। वह हर सीन की पूरी तैयारी करके सेट पर आती हैं और हर दृश्य में पूरी तरह डूबी रहती हैं। उन्होंने इससे पहले कभी इस तरह का एक्शन नहीं किया था, लेकिन शूट के लिए उनकी तैयारी देखकर मैं हैरान रह गया। एक्शन करना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने खुद को पूरी तरह झोंक दिया।

बॉबी ने आगे कहा, आदि और निर्देशक शिव रवैल की स्पष्ट सोच थी कि फिल्म का एक्शन रियल और रॉ दिखना चाहिए। इसलिए यह शूट हम दोनों के लिए काफी कठिन रहा। लेकिन मुझे खुशी है कि हमने ऐसी फिल्म बनाई है, जिसे दर्शक आराम से बैठकर पूरी तरह एन्जॉय करेंगे।

द रेलवे मेन जैसी ग्लोबली चर्चित सीरीज के निर्देशक शिव रवैल ने अल्फा का निर्देशन किया है। फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। अल्फा 10 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सान्या मल्होत्रा के बिकनी फोटो शूट ने मचाई हलचल, हॉट लुक देखकर फैंस हुए फिदा

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा हाल ही में अपने फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसे देखकर हर किसी की निगाहें बस उन्ही के ऊपर सान्या मल्होत्रा बिकनी टिक गई हैं। अपने लेटेस्ट फोटोशूट में उन्होंने प्रिंटेड बिकनी पहनी हुई है, उनका यह हॉट और सेक्सी लुक्स सबको उनकी तरफ आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ हर फोटो में सान्या मल्होत्रा का कॉन्फिडेंस, शानदार पोज और दिलकश एक्सप्रेशन लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं सान्या ने चीता प्रिंटेड बिकनी पहनी हुई है।

सोफे पर बैठकर सान्या हॉट पोज देती नजर आ रही हैं। इसी के साथ उनका हर एक एक्सप्रेशन उनके लुक को और भी ज्यादा अट्रैक्टिव बना रहा है।

इसी के साथ सान्या ने बिकनी के साथ ब्लैक कलर की जैकेट पहनी है, ये लुक उनके पूरे ऑउटफिट को और भी ज्यादा ट्रेंडी बना रहा है।

फोटोशूट को सिंपल लेकिन क्लासी टच देने के लिए लाइटिंग और बैकग्राउंड को काफी मिनिमल रखा गया है, जिससे सान्या का ग्लैमरस लुक और भी उभरकर सामने आ रहा है।

वहीं ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में उनका अंदाज काफी यूनिक और आर्टिस्टिक दिखाई दे रहा है।

ग्लैमरस अवतार पर रूपाली गांगुली का मजेदार बयान

स्टार प्लस के फैशन स्पेशल फैशन के रंग, रिश्तों के संग को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। चैनल इस इवेंट को टेलीविजन का अपना मेट-गाला बनाने की तैयारी में है। एक जून को शाम 7 बजे टेलीकास्ट होने वाला यह स्पेशल इवेंट फैशन, एंटरटेनमेंट और मजेदार पलों से भरपूर होने वाला है, जहां पूरा स्टार परिवार एक साथ नजर आएगा। इस खास इवेंट को लेकर दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है क्योंकि इस बार टीवी सितारे अपने ऑनस्क्रीन किरदारों से बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई देंगे।

रोजाना के सिंपल लुक्स से हटकर कई एक्टर्स स्टेट-इंस्पायर्ड आउटफिट्स में रैंप वॉक करते नजर आएंगे, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को सेलिब्रेट करेंगे। प्रेम और राही गुजराती लुक में गुजरात को रिप्रेजेंट करेंगे, सायली और सचिन महाराष्ट्र की झलक दिखाएंगे। अरमान और अभीरा राजस्थान की रंगीन संस्कृति को पेश करेंगे। सृति और शब्बीर मध्य प्रदेश को रिप्रेजेंट करेंगे, वहीं अंगद और वृंदा भी गुजराती-इंस्पायर्ड आउटफिट्स में नजर आएंगे। हालांकि, इस पूरे इवेंट में जिस बात ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान खींचा है, वह है रूपाली गांगुली का बिल्कुल अलग और ग्लैमरस अंदाज। अपने आइकॉनिक किरदार अनुपमा से हटकर नए लुक में नजर आने को लेकर रूपाली ने इवेंट शूट के दौरान कहा कि मैंने कुछ दिन पहले एक मेट गाला वाला पोस्ट डाला था।

मुझें बहुत मजा आ रहा था जब फैंस अपने कॉस्ट्यूम्स को मेट -गाला लुक्स में बदल रहे थे। उसी से स्टार प्लस वालों को भी यह आइडिया आया। और सच कहूं तो मुझे भी बहुत मजा आ रहा है क्योंकि ऐसे कपड़े पहनने का मौका कहां मिलता है। अनुपमा तो हमेशा कॉटन की साड़ी में ही घूमती है, तो यहां कुछ अलग करने का मौका मिल रहा है। तो 1 जून को हमारा यह स्टार प्लस स्पेशल जरूर देखिए। इवेंट के बिहाइंड-द-सीन्स वीडियोज भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और फैंस अपने पसंदीदा सितारों के नए लुक्स को लेकर लगातार चर्चा कर रहे हैं। इतना तय माना जा रहा है कि फैशन के रंग, रिश्तों के संग इस सीजन के सबसे चर्चित टेलीविजन इवेंट्स में से एक बनने वाला है। फैशन के रंग, रिश्तों के संग , एक जून को शाम सात बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

रोजाना के सिंपल लुक्स से हटकर कई एक्टर्स स्टेट-इंस्पायर्ड आउटफिट्स में रैंप वॉक करते नजर आएंगे, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को सेलिब्रेट करेंगे। प्रेम और राही गुजराती लुक में गुजरात को रिप्रेजेंट करेंगे, सायली और सचिन महाराष्ट्र की झलक दिखाएंगे।

अंकिता लोखंडे की हिजाब में फोटो देख भड़के फैन

टीवी की फेमस एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे हाल ही में गौसेवा करती दिखी थीं. वो गायों को दुलार करतीं, उन्हें खाना खिलाती नजर आईं थीं, उनकी खूब तारीफ भी हुई थी, लेकिन अब अंकिता ट्रोल्स का शिकार हो चुकी हैं। उनके धार्मिक विश्वास तक पर सवाल उठाए जा रहे हैं। एक्ट्रेस इन दिनों पति विक्की जैन संग आबुधाबी, दुबई की सैर पर हैं। अंकिता ने इस वेकेशन की कुछ फोटोज भी शेयर कीं।

एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- मेरे कैमरा रोल से बस थोड़ा-सा आबुधाबी का प्यार। खूब हंसे और यादें बनाई। अंकिता ने यहां कई जगह एक्सप्लोर कीं। वो वॉर्नर ब्रदर्स के फन जोन से लेकर वंडर वुमन तक गईं और खूब फोटोग्राफी की। यहां अंकिता हिजाब से खुद को ढके हुए दिखीं, यह देख फैन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने दिखाया बेटे का चेहरा, पैपराजी के सामने रखी खास कंडीशन

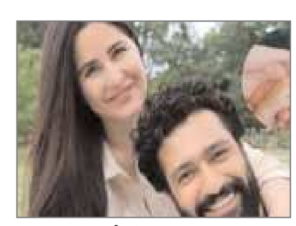

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 को शादी की थी। पिछले साल वह माता-पिता बने। कटरीना ने 7 नवंबर 2025 को एक बेटे का जन्म दिया। बेटे का नाम विक्की और कटरीना ने विहान रखा है। हाल ही यह बॉलीवुड कपल एयरपोर्ट पर साथ नजर आया, बेटा विहान भी साथ था। कटरीना और विक्की ने अपने बेटे को पैपराजी से मिलवाया मगर इसके बाद उनके सामने एक खास शर्त रखी।

एयरपोर्ट पर बेटे विहान के साथ दिखे कटरीना और विक्की : इंस्टाग्राम पर मौजूद कई पैपराजी पेज के मुताबिक कटरीना कैफ और विक्की ने अपने बेटे विहान को पैपराजी से मिलवाया। यह कपल शहर से बाहर कहीं जा रहा था। ऐसे में फोटोग्राफर्स ने उनकी तस्वीरें लेनी चाही, तब कटरीना और विक्की ने बेटे विहान की मुलाकात पैपराजी से करवाई। एक वायरल पेज के फोटोग्राफर ने बताया कि कैटरीना, विक्की के साथ थीं, लेकिन उन्होंने बच्चे के साथ अपनी तस्वीरें न खींचने को कहा और पैपराजी से बच्चे को मिलवाया।

फोटोग्राफर्स के सामने रखी यह शर्त : कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने बेटे को पैपराजी से मिलवाने के बाद कहा कि उनकी निजता का सम्मान किया जाए। बेटे की प्राइवेसी का ख्याल रखा जाए। पैपराजी से बेटे की तस्वीरें ना लेने को कहा। ना ही इन्हें पब्लिक करनी की अनुमति दी।

मलाइका अरोड़ा का बोल्ड अंदाज, कभी स्विम सूट तो कभी साइकलिंग ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। फिलहाल मलाइका अरोड़ा इस दौरान मालदीव में मी-टाइम एन्जॉय कर रही हैं और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो कभी स्विमिंग पूल में तो कभी स्पा में रिलैक्स करती हुई दिखाई दे रही हैं।

मलाइका अरोड़ा की उम्र 52 साल की है लेकिन उनकी खूबसूरती 20 साल की हसीनाओं को टक्कर देती ही।

इन तस्वीरों में मलाइका मालदीव में साइक्लिंग करती हुई दिखाई दे रही हैं। इसी के साथ उन्होंने अपना ब्रेकफास्ट की भी फोटो डाली है।

इन फोटोज के साथ मलाइका ने साथ में कैप्शन भी लिखा है- विला में बिताई गई सुकून भरी सुबह से लेकर वेलनेस रिचुअल्स, दिल को छू लेने वाला खाना और अपना खुद का परफ्यूम बनाने तक—सब कुछ बेहद निजी, शांतिपूर्ण और बहुत सोच-समझकर तैयार किया गया था। यह एक ऐसी जगह है, जहाँ आप सचमुच दुनिया से कटकर खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर सकते हैं।

इन तस्वीरों में मलाइका का यह अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

उनकी इन तस्वीरों को देखते हए यह कहा जा सकता है कि बढ़ती उम्र के साथ भी सुन्दर दिखा जा सकता है। उनका चार्म हर गुजरते दिन के साथ और आकर्षक होता जा रहा है, जिसे देखकर फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश दूसरे दौर में हारे, अमेरिका के वेस्ली ने हराया प्रज्ञाननंदा को भी दूसरी बाजी में मात

ओस्लो/एजेंसी: भारतीयों के लिए नॉर्वे शतरंज का दूसरा दिन निराशाजनक रहा। इसमें विश्व चैंपियन डी गुकेश ने आमार्गेडन दौर में वेस्ली सो के सामने घुटने टेक दिए, तो आर प्रज्ञाननंदा को शानदार फॉर्म में चल रहे फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा से हार मिली। फिरोजा ने लगातार दो जीत से छह अंक से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन को फिर जर्मन के विंसेंट कीमर ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन सात बार के चैंपियन ने आखिरकार आमार्गेडन में जीत हासिल कर ली। दूसरे दौर के आमार्गेडन दौर में निराशाजनक नतीजे के बावजूद गुकेश 2.5 अंक से वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने रहे।

प्रज्ञाननंदा और कार्लसन जैसे दिग्गज इस टूर्नामेंट में 1.5-1.5 अंक के साथ सबसे निचले पायदान पर हैं। प्रज्ञाननंदा शुरूआत में फिरोजा के खिलाफ जीत की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन टखने की चोट से जूझ रहे फिरोजा ने जबरदस्त हिम्मत और कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच का पासा पलटते हुए भारतीय खिलाड़ी को आश्चर्यजनक रूप से आसानी से हरा दिया। गुकेश मैराथन क्लासिकल मुकाबले में दबाव बनाए हुए थे, लेकिन सो किसी तरह 116 चाल में मैच ड्रॉ कराने में कामयाब रहे। फिर अमेरिकी खिलाड़ी ने आमार्गेडन में भारतीय को पछाड़ दिया।

दिव्या ने हम्पी को मात दी: महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने अनुभवी कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन में हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दिव्या ने कहा कि उन्हें नॉर्वे चेस के आर्मगेडन मुकाबले और कन्फेशन रूम का अनुभव काफी पसंद आ रहा है। कन्फेशन रूम में खिलाड़ी मैच के दौरान अपने विचार दर्शकों के साथ साझा करते हैं।

आईपीएल 2026 : वैभव के तूफान से तबाही, गेल का महारिकॉर्ड चकनाचूर

नई दिल्ली: आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से ऐसा धमाका किया है, जिसने रिकॉर्ड बुक तक हिला दी है। वैभव अब आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अब तक 65 छक्के ठोक दिए हैं और उन्होंने महान बल्लेबाज क्रिस गेल के ऑल टाइम रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। गेल ने साल 2012 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू के लिए खेलते हुए 59 छक्के लगाए थे, जो आज भी आईपीएल इतिहास में एक सीजन का सबसे बड़ा सिक्स रिकॉर्ड है। गेल ने 59 छक्के 15 मैचों की 14 पारियों में लगाए थे, वहीं वैभव ने 15 मैचों की 15 पारियों में यह इतिहास रचा।

वैभव और गेल के बाद इस लिस्ट में उनके पीछे आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने 2019 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 52 छक्के लगाए थे। वहीं क्रिस गेल ने 2013 सीजन में 51 छक्के जड़े थे, जबकि जोस बटलर ने 2022 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 45 सिक्स लगाए थे। वहीं मैच के दौरान वैभव सूर्यवंशी के पास आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ने का मौका था, लेकिन वो चूक गए। वैभव को प्रफुल्ल हिंगे ने स्मरण रविचंद्रन के हाथों कैच आउट कराया। वैभव यदि इस मैच में अपनी 29वीं गेंद पर शतक पूरा करते तो वो क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ देते। हालांकि ऐसा संभव नहीं हो पाया।

भारत और चीन सीमा व्यापार पहली जून से, विदेश मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी

रिकांगपिओः भारत और चीन सीमा पर स्थित शिपकीला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार (बॉर्डर ट्रेड) को एक बार फिर पुनर्जीवित करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। विदेश मंत्रालय से राजनीतिक स्वीकृति मिलने के किन्नौर जिला प्रशासन ने वर्ष 2026 के व्यापार सत्र के लिए अपनी सभी रणनीतिक तैयारियां पूरी कर ली हैं। डीसी किन्नौर डा. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि पहली जून से भारत-चीन बॉर्डर ट्रेड फिर से शुरू होने जा रहा है। इस व्यापार सत्र के लिए प्रशासन के पास अब तक करीब 55 व्यापारियों (ट्रेडर्स) के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

इन सभी आवेदनों को सिक्योरिटी क्लीयरेंस के लिए भेज दिया है, जिसके मिलते ही व्यापारियों को ट्रेड व ट्रैवल पास जारी कर दिए जाएंगे। व्यापारियों की सुविधा और उन्हें नियमों की बेहतर समझ देने के लिए जून के पहले सप्ताह में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय, कस्टम विभाग और विदेश व्यापार महानिदेशक के माध्यम से होने वाली यह वर्कशॉप ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में आयोजित होगी।

इन पदार्थों का होगा निर्यातः शिपकिला दर्रे के माध्यम से ऊन, रेडिमेड कपड़े, जूते, बकरी का पशम, बकरी की खाल, भेड़ की खाल, याक की पूंछ, बकरियां, भेड़ें, याक के बाल, घोड़ा, नमक, सुहागा (बोरेक्स), साइबेल्याईट, चाइना क्ले, मक्खन, सिल्क, रजाई और कंबल, कालीन, गलीचे व स्थानीय हर्बल दवाओं का आयात होगा। कृषि इनपुट, चावल, जौ, आटा, गेहूं कुट्ठ, कॉफी, चाय, फल, सूखे मेवे सूखी और ताजी सब्जियां आदि निर्यात किए जाएंगे। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, डिब्बाबंद भोजन, वनस्पति तेल, गुड़, मिसरी, मसाले, फल, कपड़ा, परिधान और हथकरघा, कपड़ा, वस्त्र, रंग, रेडीमेड गारमेंट्स, कंबल, हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, विनिर्माण, इंजीनियरिंग घरेलू सामान, साइकिल, घडियां, जूते, स्टेशनरी, लेख, बरतन, तांबे के उत्पाद, रसायन, तंबाकू उत्पाद, कैरोसिन ऑयल, नसवार, स्थानीय जड़ी-बूटियां, स्थानीय हर्बल दवाएं, फूल, मनके, माला, प्रार्थना चक्र, अगरबत्ती और मक्खन के दीये आदि निर्यात किए जाएंगे।

जानवरों के लिए रखें पानी, बुजुर्गों का पूछें हाल, भीषण गर्मी को लेकर पीएम की सलाह मुश्किल समय में दया का भाव रखें

नई दिल्लीः देश में हीटवेव और लगातार बढ़ रहे तापमान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि घर के बाहर मौजूद पशु-पक्षियों का भी पर्याप्त ध्यान रखें और पानी की व्यवस्था करें। साथ ही उन्होंने लोगों से बुजुर्गों का खास ख्याल रखने और समय मिलते ही बात करने की सलाह दी है। खास बात है कि भारत के कई राज्य और खासतौर से उत्तर पश्चिम में तीखी गर्मी का दौर जारी है। हालांकि, संभावनाएं जताई जा रही हैं कि 28 मई से मौसम करवट ले सकता है। पीएम मोदी ने लिखा कि भारत के कई हिस्सों में तापमान बहुत तेजी से बढ़ रहा है और इसके साथ ही मुश्किलें भी बढ़ रही हैं। यह गर्मी हम सभी के लिए बहुत भारी है इसलिए मेरी आप सभी से गुजारिश है कि जितनी हो सके सावधानी बरतें। शरीर में पानी की कमी न होने दें और जब भी बाहर निकलें, तो अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें। दूसरों को भी पानी पीने के लिए पूछें। ऐसे मौसम में आपका यह छोटा सा नेक काम किसी के लिए बहुत मददगार साबित हो सकता है। पीएम मोदी ने खासतौर से जानवरों का ख्याल रखने की अपील की है। उन्होंने लिखा कि इस भीषण गर्मी में हम अपने आस-पास के पशु-पक्षियों का भी ध्यान रखें।

अपने घर, बालकनी, छत, दुकान या ऑफिस के बाहर पानी का एक छोटा सा बर्तन जरूर रखें। यह किसी प्यासे पक्षी की जान बचा सकता है। इस मुश्किल समय में दया का भाव रखें। उन्होंने लिखा कि इस भीषण गर्मी में जब भी मौका मिले अपने बुजुर्ग माता-पिता, दादा-दादी और करीबियों को फोन करके उनका हाल जरूर पूछें। उन्हें याद दिलाएं कि वे खूब पानी पीते रहें, दोपहर की तेज धूप में बाहर जाने से बचें और जब भी मौका मिले तो आराम करें। पीएम मोदी ने लिखा कि गर्मी से होने वाली परेशानियां जैसे कि चक्कर आना, उल्टी जैसा लगना या बहुत ज्यादा थकावट होने पर खास ध्यान दें। अगर आपके आस-पास कोई अचानक अस्वस्थ महसूस करे, कमजोरी बताए या उसके सिर में दर्द हो, तो उसे तुरंत किसी ठंडी और छायादार जगह पर ले जाएं। उन्हें पानी, ओआरएस का घोल पिलाने जैसे उपाय करें, जिससे उन्हें आराम मिले। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में बच्चे, बुजुर्ग और बाहर धूप में काम करने वाले लोगों को सबसे ज्यादा खतरा होता है।

ट्रेन से सफर करने वालों को झटका, स्टेशन पर खाने-पीने के बढ़े दाम, नई रेट लिस्ट को रेलवे की हरी झंडी

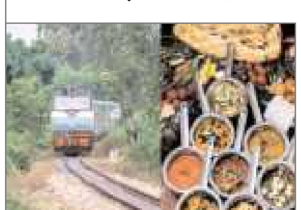

नई दिल्लीः रेल यात्रियों को जून की शुरूआत से बड़ा झटका लगने वाला है। रेलवे स्टेशनों पर मिलने वाला खान-पान अब पहले के मुकाबले महंगा हो जाएगा। सेंट्रल रेलवे ने खाने-पीने की वस्तुओं की नई रेट लिस्ट जारी करते हुए 1 जून से संशोधित कीमतें लागू करने का फैसला किया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक लंबे समय से फूड आइटम्स की कीमतों में बदलाव लंबित था। कैटरिंग वेंडर्स लगातार बढ़ती लागत और महंगाई का हवाला देते हुए दाम बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने स्टेशन पर बिकने वाले कई खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है।

सेंट्रल रेलवे का कहना है कि बढ़ती लागत के साथ-साथ यात्रियों को बेहतर गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराने के लिए यह फैसला लिया गया है। नई दरें रेलवे स्टेशनों पर संचालित माइनर स्टैटिक कैटरिंग यूनिट्स पर लागू होंगी। यानी 1 जून के बाद स्टेशन पर चाय, कॉफी, स्नैक्स या अन्य खाद्य सामग्री खरीदने पर यात्रियों को पहले से ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे।

रेलवे द्वारा जारी नई सूची के अनुसार कुल 33 खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ाए गए हैं, जबकि 16 आइटम्स की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि इस फैसले का असर रोजाना रेल यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों की जेब पर पड़ेगा।

हालांकि रेलवे ने यह स्पष्ट किया है कि कीमतों में संशोधन के बावजूद गुणवत्ता और स्वच्छता के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अब यात्रियों की नजर इस बात पर रहेगी कि बढ़ी हुई कीमतों के साथ सेवा और भोजन की गुणवत्ता में कितना सुधार देखने को मिलता है।

ईंधन महंगा होने का असर : 800 घरेलू फ्लाइट्स घटाएगी एयर इंडिया, इंडिगो भी कम करेगी उड़ानें

नई दिल्लीः टाटा ग्रुप की एयरलाइन एअर इंडिया हर हफ्ते करीब 800 घरेलू उड़ानों में कटौती कर रही है। यह बदलाव जून से अगस्त 2026 के बीच रहेगा। कंपनी ने यह फैसला जेट फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण लिया है। वहीं एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंडिगो भी अपनी घरेलू उड़ानों में पांच से सात फीसदी की कटौती कर सकती है। एअर इंडिया वर्तमान में हर हफ्ते करीब 4400 उड़ानें ऑपरेट कर रही है।

इनमें करीब 3600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं। कंपनी ने 22 फीसदी तक घरेलू फ्लाइट्स में कटौती का ऐलान किया है। एअर इंडिया का कहना है कि वह बाजार की मांग और ऑपरेटिंग परिस्थितियों पर बारीकी से नजर रखेगी। जैसे ही परिस्थितियां सामान्य और स्थिर होंगी, उड़ानों की संख्या को दोबारा बहाल करने पर विचार किया जाएगा।

11वां वार्षिक ऐवरटीन मेंस्ट्रुअल हाइजीन सर्वे

मेंस्ट्रुअल हाइजीन को जरूरी मदद के रूप में देखती है महिलाएं

92 प्रतिशत भारतीय महिलाएं चाहती हैं कि पब्लिक वॉशरूम में सैनिटरी पैड को एक जरूरी वस्तु की तरह रखा जाये

94.4 प्रतिशत महिलाओं का सवाल था कि जब यूरिनल और हैंड ड्रायर आवश्यक हैं, तो मेंस्ट्रुअल हाइजीन को प्राथमिकता क्यों नही है

नई दिल्लीः क्या आपको दिसंबर 2025 का वह वायरल वीडियो याद है जिसमें एक परेशान पिता एयरपोर्ट पर अपनी बेटी के लिए सैनिटरी पैड की गुहार लगा रहा था, जिससे पूरे देश में सार्वजनिक जगहों पर मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता-सुविधा की जरूरत पर चर्चा शुरू हो गई थी? पूरे भारत में पब्लिक वॉशरूम्स में सैनिटरी पैड को बाथरूम की आवश्यक वस्तु बनाने के लिए महिलाओं ने जबरदस्त समर्थन दिया है।

11वें वार्षिक ऐवरटीन मेंस्ट्रुअल हाइजीन सर्वे में सामने आया है कि 92.1 प्रतिशत महिलाओं का मानना है कि पब्लिक वॉशरूम में सैनिटरी पैड को एक जरूरी चीज की तरह शामिल किया जाना चाहिए, इस प्रकार सार्वजनिक स्थल ज्यादा समावेशी और बराबरी वाले बनेंगे। अंतर्राष्ट्रीय मेंस्ट्रुअल हाइजीन दिवस 2026 से पहले, पूरे देश में हुए ऐवरटीन सर्वेक्षण में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल समेत पूरे भारत में 2,100 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। जवाब देने वाली महिलाओं में 88.6 प्रतिशत महिलाएं 19-35 साल की थीं। इस साल की शुरूआत में, सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले में, पीरियड्स से जुड़ी सेहत को एक बुनियादी अधिकार माना गया और केंद्र व राज्य सरकारों को निर्देश दिया गया कि वे छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड मुहैया कराएं, खासकर टॉयलेट के अंदर वेंडिंग मशीन के जरिए। मासिक धर्म से जुड़ी स्वच्छता-सुविधा के इंफ्रास्ट्रक्चर को समाज की सोच से जोड़ते हुए, 94.4 प्रतिशत महिलाओं ने सवाल किया कि अगर वॉशरूम में यूरिनल और हैंड ड्रायर जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं, तो मेंस्ट्रुअल हाइजीन को उतनी ही प्राथमिकता क्यों नहीं दी जाती! 86.4 प्रतिशत महिलाओं का मानना था कि पब्लिक वॉशरूम में सैनिटरी पैड का न होना पीरियड्स संबंधी बड़ी परेशानी है।

महत्व के आधार पर, महिलाओं ने सैनिटरी पैड (34 प्रतिशत) को टॉयलेट पेपर (11 प्रतिशत), टिशू पेपर (3 प्रतिशत) और हैंड ड्रायर (3 प्रतिशत) से आगे रखा, जो हैंडवॉश (50 प्रतिशत) के बाद दूसरे नंबर पर है। 85.9 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि सैनिटरी पैड की कमी से सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं की गरिमा पर असर पड़ता है। 75.1 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा, जहाँ उनके पीरियड्स अचानक किसी सार्वजनिक जगह पर शुरू हो गए, और वहाँ सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं थे। लगभग आधी महिलाओं ने ऐसी स्थितियों को घबराहट या बेबसी की भावनाओं से जोड़ा, जबकि अन्य महिलाओं ने चिंता या शर्मिंदगी की बात कही। 87.9 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि सैनिटरी पैड सभी सार्वजनिक स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर मिलने चाहिए, और मेंस्ट्रुअल हाइजीन तक पहुंच को सक्षम करने के लिए स्कूल सबसे बड़ी प्राथमिकता बन रहे हैं। 81.3 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि पब्लिक वॉशरूम में सैनिटरी पैड रखना कानून या पॉलिसी के जरिए जरूरी कर देना चाहिए। पैन हैल्थकेयर के सीईओ, चिराग पैन कहते हैं, हमारे ऐवरटीन सर्वे के नतीजों से साफ पता चलता है कि महिलाएं मेंस्ट्रुअल हाइजीन तक पहुंच को एक जरूरी मदद के तौर पर देख रही हैं, जो मासिक धर्म की गरिमा, समावेशन और सार्वजनिक जीवन में बराबर की हिस्सेदारी से जुड़ा है। स्कूल और कॉलेज से लेकर एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन तक, सैनिटरी पैड तक पहुंच महिलाओं को अचानक आने वाली कठिनाई को ज्यादा सहजता और विश्वास के साथ संभालने में मदद कर सकती है। ऐवरटीन और पैन हैल्थ इनिशिएटिव की कंपनी वैट् एंड ड्राई पर्सनल केयर के सीईओ, श्री हरिओम त्यागी कहते हैं, मेंस्ट्रुअल हाइजीन और महिलाओं के लिए उत्पाद बनाने वाले एक अग्रणी ब्रांड के तौर पर, ऐवरटीन स्कूलों और कॉलेजों में लाइव अवेयरनेस वर्कशॉप कर रहा है, जिससे हजारों लड़कियों को इस विषय पर जानकारी मिल रही है। हम मेंस्ट्रुअल हाइजीन को सुलभ बनाने में मदद के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें भी लगा रहे हैं। हम मेंस्ट्रुअल हैल्थ के विषय पर बातचीत को जानकारीपूर्ण, व्यावहारिक और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सर्वे में बताए गए अन्य रूझानों में, डिस्पोजेब्रल पीरियड पैंटी, सैनिटरी पैड के बाद दूसरा सबसे पसंदीदा मेंस्ट्रुअल हाइजीन विकल्प बन गई है, और इसने मेंस्ट्रुअल कप और टैम्पोन को पीछे छोड़ दिया है। इस अध्ययन में यह भी पता लगा कि 35.2 प्रतिशत महिलाओं को अपने पहले पीरियड से पहले मासिक धर्म के बारे में बहुत कम या बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी, जबकि सिर्फ 2.3 प्रतिशत ने अपने पहले पीरियड के बारे में टीचर से बात की, जिससे पता लगता है कि इस विषय पर जानकारी का अभाव निरंतर बना हुआ है। इसके अलावा, 71.2 प्रतिशत महिलाओं को रात में स्पॉटिंग की चिंता बनी रहती है, जबकि पीरियड्स के दौरान बाहर निकलते समय मरोड़ उठने और दाग-धब्बों का डर महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। लगभग 20 प्रतिशत महिलाओं ने अनियमित माहवारी की बात कही, फिर भी बहुतों ने इस बारे में कभी डॉक्टर से सलाह नहीं ली। भारत में मेंस्ट्रुअल हाइजीन उत्पादों में एक अग्रणी ब्रांड के तौर पर ऐवरटीन स्कूलों और कॉलेजों में लाइव अवेयरनेस वर्कशॉप कर रहा है और कई शिक्षण संस्थानों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें लगाई हैं ताकि लड़कियों में मेंस्ट्रुअल हाइजीन के बारे में जागरुकता और पहुंच बेहतर हो सके। हर साल, ऐवरटीन ब्रांड पीरियड्स से जुड़े हाइजीन सर्वेक्षण करता है ताकि ऐसी जानकारी मिल सके जिससे नए समाधान और रणनीति विकसित करने में मदद मिले और महिलाएं पीरियड्स को ज्यादा आराम और भरोसे के साथ मैनेज कर ऐवरटीन कई तरह के फेमिनिन हाइजीन और इंटिमेट केयर प्रोडक्ट्स मुहैया कराता है, जिनमें सैनिटरी पैड, डिस्पोजेब्रल पीरियड पैंटी, ओवरनाइट पैड, मेंस्ट्रुअल कप, पैंटी लाइनर, मेंस्ट्रुअल क्रैम्प रोल-ऑन, इंटिमेट वॉश तथा और भी बहुत कुछ शामिल हैं। वैट् एंड ड्राई पर्सनल केयर के बारे मेंः 2013 में शुरू हुई, वैट एंड ड्राई पर्सनल केयर प्राइवेट लिमिटेड जो एक पैन हैल्थ इनिशिएटिव है, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्सनल केयर उत्पाद पेश करती है।

फ्री राशन पर सरकार करने जा रही बड़ा बदलाव, फर्जी कार्ड पर चलेगा हथौड़ा

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को ज्यादा आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सरकार की बड़ी पहल का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सरकार देश के हर जरूरतमंद तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलिवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स (सीसीईए) ने सार्थक-पीडीएस योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने को मंजूरी दी है। इस योजना पर केंद्र सरकार करीब 25,530 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह राशि 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान केंद्र की हिस्सेदारी के रूप में दी जाएगी।

सरकार ने दो बड़ी योजनाओं को मिलाकर इस नई व्यापक योजना का ढांचा तैयार किया है। इनमें पहली योजना ह्राराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत राज्यों को खाद्यान्न के राज्य के भीतर परिवहन और फेयर प्राइस शॉप (एफपीएस) डीलरों के मार्जिन के लिए सहायता और दूसरी स्मार्ट पीडीएस योजना शामिल है। अब इन दोनों को मिलाकर सार्थक-पीडीएस के रूप में लागू किया जाएगा। इस योजना का मकसद सिर्फ राशन पहुंचाना नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित बनाना है। सरकार चाहती है कि खाद्यान्न की अंतिम व्यक्ति तक डिलीवरी बेहतर हो, राशन व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियां कम हों, और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़े। यह योजना 31 मार्च 2031 तक लागू रहेगी।

सरकार अब पीडीएस सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत रियल टाइम मॉनिटरिंग, एआई आधारित शिकायत निवारण प्रणाली, डेटा आधारित निगरानी के लिए स्टेट कमांड कंट्रोल सेंटर और एकीकृत डेटाबेस तैयार किए जाएंगे। साथ ही आईएसओ प्रमाणित प्रक्रियाओं के जरिए सिस्टम को सुरक्षित और टिकाऊ बनाने पर भी जोर दिया जाएगा।

केंद्र सरकार ने कहा कि देश के लोगों को सम्मानजनक जीवन और खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना उसकी सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारी है। यह योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आने वाले 81.35 करोड़ लोगों तक बेहतर तरीके से खाद्यान्न पहुंचाने में मदद करेगी।

पिछले एक दशक में सरकार ने पीडीएस को डिजिटल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें टीपीडीएस का एंड-टू-एंड कंप्यूटरीकरण, आईएम-पीडीएस और स्मार्ट पीडीएस जैसी योजनाएं शामिल हैं। वहीं, मेरा राशन, अन्न मित्र, राइटफुल टार्गेटिंग डैशबोर्ड और अन्न सहायता जैसे मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म भी शुरू किए गए हैं।

1 अप्रैल 2023 से स्मार्ट पीडीएस योजना तकनीक आधारित सुधारों की मुख्य कड़ी बनी हुई है। इसके जरिए राशन कार्डों का डिजिटलीकरण, आधार सीडिंग, ई-पीओएस मशीनों के जरिए फेयर प्राइस शॉप का ऑटोमेशन, ऑनलाइन राशन आवंटन और कंप्यूटरीकृत सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे काम देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किए जा चुके हैं।

अनियंत्रित वाहन ने ली 6 की जान

पहले शिक्षक को कुचला, फिर भागने के चक्कर में ई-रिक्शा पर पलटा ट्रक

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के बिसंडा कस्बे में बुधवार शाम बालू से लदे ट्रक के पलटने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस. ने बताया कि बुधवार शाम करीब पौने 5 बजे बिसंडा कस्बे से पहले लौली-शिव गांव के नजदीक बालू से लदे ट्रक ने घूरी गांव के सेवानिवृत शिक्षक रामेश्वर (61) को कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल में ही मौत हो गई। रामेश्वर साइकिल से कहीं जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि शिक्षक की मौत के बाद कुछ लोगों ने भाग रहे ट्रक का मोटरसाइकिल से पीछा किया, इसी दौरान हड़बड़ाहट में ट्रक ड्राइवर ने बिसंडा कस्बे के आगे ओरन रोड़ पर नाथू तालाब के पास सामने से आ रहे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी और उसी के ऊपर ट्रक पलट गया। उन्होंने बताया कि इससे रिक्शा सवार 4 लोगों- ममता (48), रिक्शा चालक राकेश (45), शाहबाज (12) और मुबीन (40) की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सोहनलाल (50) ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि इस सड़क हादसे में मृतकों की संख्या 6 हो गई है, जबकि घायल 4 अन्य लोगों का इलाज चल रहा है जिसमें एक 3 माह की बच्ची शामिल है। उन्होंने कहा कि ट्रक पलटने के बाद ट्रक चालक भाग गया है जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया तथा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केंद्र सरकार को बढ़ती महंगाई पर कण्ट्रोल करना चाहिए : हृदयानन्द मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आज हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सह राज्य सचिव जैश रंजन पाठक ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह ने की, जबकि संचालन शिक्षा विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन समिति के सदस्य हृदयनंद मिश्रा उपस्थित रहे।

हृदयनंद मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार को बढ़ती महंगाई पर तत्काल नियंत्रण करना चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर परिवहन, खेती, खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर पड़ रहा है, जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों को संबोधित करते हुए पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष वर्तमान में राज्य सचिव जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि महंगाई ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि से गरीब, किसान, मजदूर एवं मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज उठाने का कार्य करती रही है और आगे भी जनता के हित में संघर्ष जारी रहेगा।

मौके पर श्याम नारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में लगातार बढ़ती महंगाई से शिक्षित बेरोजगार, विद्यार्थी, गरीब एवं मजदूर वर्ग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है।

हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और सरकार से पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी करने की मांग की। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसमें ईश्वरी प्रसाद सिंह शमीम अहमद राइन सुरेंद्र पांडे शंकर पांडे शैलेश चंद्रवंशी खुरशीद खान नाफिस खन सोनू सिद्दीकी बबलू सिंह तुलसी पासवान अनिल सिंह सीटू पाठक मनोरंजन दुबे खुरशीद अलम गोपाल सिंह सच्चिदानंद मिश्रा अजय साहू देवांग शुक्ला साहजद अली जितेंद्र पांडे पीयूष गुप्ता संजय शर्मा उमेश यादव छोटू चंद्रवंशी बड़ी संख्या में लोग अपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

उपायुक्त ने कोराम्बे विष्णुपद मंदिर, महादेव मंडा और बूटी जलापूर्ति योजना का किया निरीक्षण

बिनय मिश्रा : लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने सेन्हा प्रखंड में दो पर्यटन स्थलों; कोराम्बे स्थित विष्णुपद मंदिर और अलौदी पंचायत में अवस्थित महादेव मंडा का निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने कोराम्बे स्थित विष्णुपद मंदिर में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर का अवलोकन किया। उपायुक्त के समक्ष आमजनों की ओर से मंदिर परिसर के समीप विवाह मंडप का जीर्णोद्धार, आमजनों के लिए शौचालय निर्माण, तालाब से मंदिर तक पीसीसी निर्माण, राजा व रानी टोंगरी को पर्यटन स्थल के रूप में चिह्नित कर विकसित करने, खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मति, मंदिर परिसर में शेड निर्माण, मंदिर के समीप यमुना बांध में गार्डवाल निर्माण समेत अन्य आवश्यकताओं का प्रस्ताव रखा गया। उपायुक्त ने पर्यटन विभाग को विष्णुपद मंदिर में आवश्यकताओं का प्राक्कलन बनाये जाने का निदेश दिया।

महादेव मंडा में बढ़ेंगी पर्यटकीय सुविधाएं

उपायुक्त ने अलौदी पंचायत में महादेव मंडा का निरीक्षण किया और ग्रामीणों की मांग पर वहां पर्यटकीय सुविधाएं बढ़ाये जाने का आश्वासन दिया।

बूटी पेयजलापूर्ति योजना का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने बूटी पंचायत स्थित मल्टी विलेज ग्रामीण पेयजलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने लाभुकों से वसूल किये शुल्क का इस्तेमाल स्कीम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए किए जाने का निदेश दिया। साथ ही जिन घरों को उक्त योजना से लाभ मिल रहा है और उनसे नियमित रूप से मासिक शुल्क लिए जाने का निदेश दिया।

भ्रमण में परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू, अंचल अधिकारी पंकज भगत आदि उपस्थित थे।

लौहनगरी में अकीदत व भाईचारे के साथ मनाई गई बकरीद, मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

जमशेदपुर : जमशेदपुर में बकरीद का पर्व पूरे उत्साह, अकीदत और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। पर्व के मौके पर शहर की विभिन्न मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विशेष नमाज अदा की और देश-दुनिया में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। सुबह से ही मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने पूरे धार्मिक उल्लास के साथ बकरीद की रस्में निभाईं। शहर के साकची, मानगो, जुगसलाई, धतकीडीह, गोलमुरी, टेल्को आजादनगर, बिष्टुपुर समेत कई इलाकों की मस्जिदों में नमाज को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे। नमाज के दौरान मस्जिद परिसर में अनुशासन और शांति का माहौल बना रहा। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। मौलानाओं ने बकरीद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व कुबार्नी, त्याग, इंसानियत और आपसी प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से समाज में शांति, सद्भाव और एकता बनाए रखने की अपील की। साथ ही जरूरतमंदों की मदद करने और इंसानियत की राह पर चलने का संदेश भी दिया गया।

बकरीद को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, मस्जिदों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कई स्थानों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जा रही थी ताकि किसी भी तरह की अफवाह या अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। पर्व के दौरान पूरे शहर में सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। लोगों ने शांति और भाईचारे के साथ बकरीद मनाते हुए समाज में एकता और सद्भाव का संदेश दिया।

गंगा सतलज एक्सप्रेस की मालीपुर से रुदौली तक बदलेगी टाइमिंग

धनबाद : धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलज एक्सप्रेस की कुछ स्टेशनों पर टामिंग बदलने की तैयारी है। मालीपुर स्टेशन से रुदौली तक आठ स्पेशल पर समय बदलने का निर्णय लिया गया है। ताजा निर्णय के मुताबिक 13307 धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलज एक्सप्रेस अब सुबह 8.09 बजे के बदले 8.22 बजे मालीपुर पहुंचेगी। इसी तरह सुबह 8.29 बजे की बजाय 8.42 बजे अकबरपुर, सुबह 8.53 बजे की जगह 9.06 बजे गोसाईंगंज, सुबह 9.08 बजे के बदले सुबह 9.21 बजे बिहार घाट, सुबह 9.28 बजे के बदले सुबह 9.39 बजे अयोध्या धाम, सुबह 9.50 बजे के बदले सुबह 10.05 बजे अयोध्या कैंट, सुबह 10.12 बजे की जगह सुबह 10.23 बजे सोहावल और सुबह 10.39 बजे के बदले सुबह 10.41 बजे रुदौली पहुंचेगी।

गोमो होकर संतरागाछी से आगरा की चलेगी स्पेशल ट्रेन

धनबाद : गोमो होकर आगरा कैंट से संतरागाछी के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। नार्थ सेंट्रल रेलवे ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव के अनुसार 04195 आगरा कैंट-संतरागाछी स्पेशल 31 मई से 14 जुलाई के बीच सप्ताह में रविवार और मंगलवार को चलेगी। वापसी में 04196 संतरागाछी-आगरा कैंट स्पेशल एक जून से 15 जुलाई के बीच हर सोमवार और बुधवार को चलेगी। अगारा कैंट से ट्रेन सुबह छह बजे खुलेगी। ट्रेन कानपुर, प्रयागराज, मिजार्पुर होते हुए सोमवार और बुधवार की तिथि में रात 12.37 बजे गोमो, सुबह पांच बजे टाटानगर और सुबह 11 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। सोमवार और बुधवार को संतरागाछी-आगरा कैंट स्पेशल संतरागाछी से दोपहर दो बजे खुलेगी। ट्रेन शाम 7.45 बजे टाटानगर, रात 12.15 बजे गोमो और अगले दिन शाम सात बजे आगरा कैंट पहुंचेगी।

विधायक के समक्ष शिक्षकों की समस्याएं उठाईं

धनबाद : झारखंड राज्य माध्यमिक संघ धनबाद के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी से मिलकर हाईस्कूल के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को उठाया। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मी भीषण गर्मी में जनगणना कार्य पूरा कर रहे हैं। गर्मी छुट्टी के दौरान किए जा कार्यों के बदले क्षतिपूर्ति अवकाश दिया जाए। प्रधानाध्यापक पद पर नियुक्ति, शिक्षा में सुधार, शिक्षकों के स्थानांतरण और प्रतिनियुक्ति समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।

उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का शुभारंभ

ज्योति पाठक

उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा समाहरणालय स्थित सभागार में 29 मई से 4 जून 2026 तक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से चलने वाले ह्लचुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहोह्व अभियान का आज शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं मासिक धर्म से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में व्याप्त झिझक एवं भ्रांतियों को दूर करना है।कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल खूँटी के कार्यपालक अभियंता श्री मनीष कुमार द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल किशोरियों एवं महिलाओं ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी इस विषय पर जागरूक किए जाने की जरूरत है, ताकि सभी अपने दायित्व एवं भूमिका को समझ सकें।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विद्यालयों में इस विषय पर नियमित रूप से चर्चा की जाए। साथ ही पेरेंट्स डे के अवसर पर पिता के साथ-साथ माताओं को भी आमंत्रित कर इस विषय पर विस्तृत जानकारी दी जाए। उन्होंने वीएचएसएनडी दिवस के दौरान भी महिलाओं को माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर जागरूक करने का निर्देश दिया। वहीं पंचायत स्तर पर पैड बैंक बनाने की भी बात कही गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को हाथ में रेड डॉट दिखाकर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई गई। साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी साझा कर लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में दो किशोरियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए। उन्होंने बताया कि माहवारी एक सामान्य एवं प्राकृतिक प्रक्रिया है तथा इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। किशोरियों ने सैनिटरी पैड के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अन्य किशोरियों को प्रेरित किया कि माहवारी को लेकर घबराने अथवा शर्माने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि जागरूक एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जरूरत है। उपायुक्त ने किशोरियों द्वारा साझा किए गए अनुभवों की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार खुलकर संवाद करने की आवश्यकता है।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि ह्लचुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहोह्व अभियान पूर्व में भी चलाया गया है, लेकिन इस बार इसे और व्यापक स्तर पर चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कई बार माहवारी से जुड़ी समस्याओं एवं असुविधाओं के कारण विद्यालयों में बच्चियों के ड्रॉप आउट की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए विद्यालयों में किशोरियों के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि माहवारी के दौरान उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उप विकास आयुक्त द्वारा इस अभियान को ग्राम स्तर तक सफल बनाने का आवाहन किया गया।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन एवं डीआरसीएचओ खूँटी द्वारा स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। उन्होंने बताया कि सामान्यतः माहवारी 7 दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा 2 घंटे के भीतर बार-बार पैड बदलने की आवश्यकता होने पर अत्यधिक ब्लीडिंग की स्थिति हो सकती है। साथ ही खून का थक्का बनने जैसी स्थितियों के प्रति भी सतर्क रहने की सलाह दी गई।

उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं कपड़े का इस्तेमाल करती थीं, परंतु अब जागरूकता बढ़ने के साथ अधिकांश महिलाएं एवं किशोरियां सैनिटरी पैड का उपयोग कर रही हैं। पैड के सही निपटारे, विद्यालयों में बच्चियों के लिए अलग रूम एवं पानी की व्यवस्था, पौष्टिक आहार, फल सेवन, आयरन की गोली के नियमित उपयोग तथा अत्यधिक दर्द होने पर ही दर्द निवारक दवा लेने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही बच्चों एवं किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम में कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल मनीष कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती आपरूपा पॉल चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीशा कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस श्रीमती मनीषा कुमारी, जिला कोऑर्डिनेटर नीरज कुमार, सभी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर संबंधित विभागों के पदाधिकारी, पेयजल/स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, जल सहिया एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

30 तक बारिश व तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट

धनबाद : जिले में बुधवार को मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे, जिससे धूप का असर कम रहा। दिनभर बीच-बीच में हल्की धूप निकलती रही, लेकिन शाम होते-होते तेज हवाएं चलने लगीं। ठंडी हवाओं के कारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से काफी राहत मिली। बीते कई दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच मौसम में आए बदलाव से लोगों ने राहत की सांस ली। साथ ही दिन में कई क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हुई। बुधवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में करीब 10 से 11 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान में कमी और बादलों की मौजूदगी के कारण बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही भी पहले की तुलना में अधिक दिखी। दिनभर कम धूप रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत महसूस हुई।

मौसम विभाग ने 30 मई तक जिले में बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में मौसम इस तरह बदलता रह सकता है। कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। साथ ही तेज हवा और आकाशीय बिजली को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

1000 वेंडर कर्मचारियों के बकाया पर आक्रोश

जमशेदपुर : टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में हाउसकीपिंग, सफाई और अन्य कार्यों में लगे लगभग 1000 श्रमिकों के ठेकेदार रेयर हॉस्पिटैलिटी ने ठेका समाप्त होने के बाद भी अब तक उनके ग्रेच्युटी, रिट्रेंचमेंट और नोटिस पे का भुगतान नहीं किया है। इस मामले को लेकर जोहार झारखंड श्रमिक महासंघ के महामंत्री राजीव पांडेय ने श्रम कार्यालय में पत्र सौंपा। पत्र के आधार पर श्रम अधीक्षक-2 सतेंद्र सिंह ने रेयर हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन और टीएमएच प्रबंधन को नोटिस जारी कर सभी बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। नोटिस में लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी भी दी गई, लेकिन ठेकेदार की ओर से अब तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया।राजीव पांडेय ने कहा कि मजदूरों को उनके मेहनत का हक नहीं दिया जा रहा है।

30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करने से मिलेगी पांच प्रतिशत की छूट

संवाददाता

धनबाद : शहर में होल्डिंग टैक्स देने वाले लोगों को नगर निगम राहत देने वाला है। 30 जून तक पूरे साल का होल्डिंग टैक्स जमा करने पर पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इतना ही नहीं महिला, ट्रांसजेंडर, आर्मी मैन और वरिष्ठ नागरिक को अतिरिक्त पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी। वहीं सूडा की वेबसाइट पर ऑनलाइन टैक्स जमा करने पर अलग से पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी। सरकार की योजना के तहत एक टैक्स देने वाला व्यक्ति अधिकतम 15 प्रतिशत तक छूट हासिल कर सकता है। धनबाद नगर निगम की ओर से जारी सूचना में वित्तीय वर्ष-2026-27 का टैक्स एक साथ 30 जून से पहले जमा करने पर पांच प्रतिशत की छूट दी जा रही है। वहीं 30 जून के बाद प्रॉपर्टी टैक्स देने पर एक प्रतिशत प्रति माह की दर से ब्याज भी वसूला जाएगा। यह छूट केवल आवासीय भवनों के होल्डिंग टैक्स में दी जाएगी। व्यावसायिक भवनों को कोई छूट नहीं दी जाएग 96 हजार होल्डिंग टैक्स देने वालों को लाभः नगर विकास विभाग की छूट का लाभ होल्डिंग टैक्स देने वाले 96 हजार लोगों को मिलेगा। महिला, ट्रांसजेंडर, वरिष्ठ नागरिक और आर्मी मैन में से किसी एक वर्ग में ही पांच प्रतिशत अतिरिक्त छूट प्राप्त की जा सकती है। सरकार की छूट का लाभ लेने के लिए नगर निगम के काउंटर पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मेहरमा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का किया गया निरीक्षण

योजनाओं व कार्यालयों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

बिनय मिश्रा

27 मई को जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, गोड्डा लोकेश मिश्रा द्वारा मेहरमा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनहित से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त के द्वारा प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में संचालित राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आवास, मनरेगा, जन वितरण प्रणाली, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य विकास योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन एवं आमजनों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को दिया।

उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, अभिलेख संधारण, कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्य संस्कृति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजनों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने पर विशेष बल दिया।

उपायुक्त के समक्ष स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के द्वारा मेहरमा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। उनके समस्यायों को सुनते हुए समस्याओं का निराकरण यथाशीघ्र करने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी मेहरमा को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी मेहरमा आलोक वरण केसरी, अंचलाधिकारी खगेन महतों, प्रखंड विकास पदाधिकारी मेहरमा अभिनव कुमार सहित प्रखंड एवं अंचल कर्मीगण उपस्थित थे।